



102  
29/1/89

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ६।

मई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 11, 1989/मार्च 22, 1910

No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 11, 1989/MARCH 22, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांबिधिक आदेश और अधिसूचनाएँ  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
मई दिल्ली, 1 फरवरी, 1989

आदेश

का०का० २८६:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी  
मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52)  
का धारा ३ की उपधारा (1) के प्रवीन विशेष रूप से संबंधित किया  
या है, उस उपधारा के प्रवीन प्रावेद का. सं. 673/246/88-सी.मू.  
VIII तारीख 26-4-1988 यह जिवेद देने हुए जारी किया जा कि भी भूमिकर  
सिंह भारतीय पासरोट धारक सं. बी. -236245, 450/2, घर सोशियत  
जाक घर केलालाल मुतिम बाना केला घर पटिलाला को केन्द्रीय जेल,  
दमड़म, करकता में निहृद कर नियंत्रण जाथे और अविकास में रखा जाए  
ताकि उने माल की तस्वीरी करने के रोका जा सके; और

2. केन्द्रीय सरकार के पास ये विवाद करने का कारण है कि  
पूर्वोन्नत अधिकार हो गया है या भवने को छिपा रहा है जिससे उक्त  
आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. भ्रष्ट केन्द्रीय सरकार, उक्त आधिनियम, की बारा ७ की उप-  
धारा (1) के अधृ (अ) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए,

यह जिवेद देती है कि पूर्वोन्नत अधिकार इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित  
के ७ दिन के भीतर पुलिस महानिवेदक, पञ्चाब, चण्डीगढ़ के समक्ष हाजिर  
हो।

[फा. सं. 673/246/88-सी.मू.—VIII]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st February, 1989

ORDERS

S.O. 286.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/246/88-CUS.VIII dated 26-4-1988 under the said sub-section directing that Shri Bhupinder Singh, Holder of Indian Passport No. B-236245, 450/2, Gher-Sodian, P. O. Kella Chawk, P. S. Kella Chawk, Patiala, be detained and kept in custody in the Central Jail, Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods; and

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/246/88-CUS.VIII]

का. पा. 237.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संस्थान और लहरी निवारण अधिनियम 1974 (1974 का 52) को धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उस उपधारा के प्रधीन आदेश का. सं. 673/338/88-सी.ए. VIII तारीख 1-9-1988 यह नियम देते हुए जारी किया था कि श्री उमाईस इस्माइल, 34, इसाक फिल्हैन, एस.वी.पी. रोड, नल बाजार, बम्बई-400003 को केन्द्रीय जेल बम्बई में नियन्त्रण कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे खिद्री मुद्रा की अविनृद्धि के लिए हामिलारक किसी भी तार्ज को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विवाद करने का कारण है कि पूर्वोक्त अधिकार कारबाही हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उस आदेश का नियादन नहीं हो सके;

3. आः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम को धारा 7 की उपधारा (1) के अन्त (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देता है कि पूर्वोक्त अधिकार इस आदेश के अधिकार में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानियंदेशक, परिवाम बंगाल, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/338/88-सी.ए. VIII]

S.O. 287.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/338/88-CUS.VIII dated 1-9-1988 under the said sub-section directing that Shri Usman Ismail, 34, Issac Building, S.V.P. Road, Null Bazar, Bombay-400003 be detained and kept of custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/338/88-CUS.VIII]

का. पा. 238.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी पुराम संस्थान और लहरी निवारण अधिनियम, 1974 (1074 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के प्रधीन आदेश का. सं. 673/325/88-सी.ए. VIII तारीख 3-8-1988 यह नियम देते हुए जारी किया था कि श्री एसेक्टन मालीतामा चक्र जन्म एस के, पुल आदुल लतीफ मालीतामा, एवं पुल्लौपुर डाक घर युक्तमध्यरु पुलिस थाना नोंदिया, जिन मुगियावाद की विसीड़ीसी जेल, अमिनपुर, कलकत्ता में नियन्त्रण कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अविनृद्धि के लिए हामिलारक किसी भी तार्ज को करने के रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विवाद करने का कारण है कि पूर्वोक्त अधिकार कारबाही हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उस आदेश का नियादन नहीं हो सके;

3. अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्त (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देता है कि पूर्वोक्त अधिकार इस आदेश के अधिकार में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानियंदेशक, परिवाम बंगाल, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/325/88-सी.ए.-VIII]

S.O. 288.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/325/88-CUS.VIII dated 3-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Sherful Malitya alias Jambu S. K. son of Abdul Latif Malitya, Vill. Chandipur P. O. Mohammedpur, P. S. Newda, Distr. Murshidabad be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from engaging in abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concerning himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, West Bengal, Calcutta, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/325/88-CUS.VIII]

का. पा. 239.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुशास्तरण और लहरी निवारण अधिनियम 1974, (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के प्रधीन आदेश का. सं. 673/306/88-सी.ए.-VIII तारीख 12-8-1988 यह नियम देते हुए जारी किया था कि कू. कोल सोपी लूबन इस्माइल जी चोपड़ा, 206, सी. बिग, शिमला हाउस नोंदियन सो. रोड, बम्बई-400006 को केन्द्रीय जेल बम्बई में नियन्त्रण कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की अविनृद्धि के लिए हामिलारक किसी भी तार्ज को करने के रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विवाद करने का कारण है कि पूर्वोक्त अधिकार कारबाही हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उस आदेश का नियादन नहीं हो सके;

3. अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्त (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियम देता है कि पूर्वोक्त अधिकार इस आदेश के अधिकार में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस मायूस, बम्बई के अधिकार हाजिर हो।

[का. सं. 673/306/88-सी.ए.-VIII]

S.O. 289.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/306/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Miss Kouloume Quarban Esmailji Chopra, 206-C Wing, Simla House, Napean Sea Road, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act,

the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/306/88-CUS.VIII]

का. आ. 290.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव, ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन अधिनियम, 1974 (1974 का 52) का धारा ३ को उल्लंघन (1) के प्रवान विवेद रूप से समाप्त किया गया है, उत्तर उत्तराखण के अधीन आवेदन का. सं. 673/5/सं. ग्र.-४४ तारीख 21-१-१९८८ यह निरोत्तर देते हुए जारी किया था कि भी कंठर जीत विद्युत वह विद्युत वह विद्युत पहुँचन, तुर भी संत विद्युत ४२, गोडान एवं घटुत, जो विद्युत कर लिया जाये और केंद्रीय बैंक, तिहाइ, विद्युत में अविद्युत में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने के लिए उपयोग नहीं हो सके।

2. केंद्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्णतः व्यक्ति फरार हो गया है या आरोपी को छिपा रखा है जिससे उत्तर आवेदन का नियामन नहीं हो सके;

3. प्रतः प्रत केंद्रीय सरकार, उत्तर आविनियम की धारा ७ को उल्लंघन (1) के बाब्द (ब) द्वारा प्रदत्त अविद्युतों का प्रयोग करते हुए, यह निरोत्तर देते हुए विद्युत व्यक्ति इस आवेदन के राजनय में प्रकाशन के ७ दिन के भावत पूर्णतः महत्विदेशी, पंजाब, चंडीगढ़ के समझ हाजिर हो।

[का. सं. 673/5/88-सं. ग्र.-VIII]

S.O. 290.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/5/88-CUS.VIII dated 21-1-1988 under the said sub-section directing that Shri Kanwarjit Singh @ Pahalwan @ Kanwar Pahalwan, S/o Shri Santa Singh, 32, Golden Avenue, Amritsar, Panjab, be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/5/88-CUS.VIII]

का. आ. 291.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा ३ को उल्लंघन (1) के अधीन विवेद रूप से समाप्त किया गया है, उत्तर उत्तराखण के अधीन का. सं. 673/326/88-सं. ग्र.-VIII तारीख 10-८-१९८८ यह निरोत्तर देते हुए जारी किया था कि भी बजार चिह्न, तुर व्यवसाय प्रवाने की घासक नं. ८५६९७, मकान नं. बं. ५/३११, ऐप्प दुखनिवाल चिह्न रोड, पटियाला-८०००८० को केंद्रीय बैंक डम्बम कलाता में निरोत्तर कर लिया जाये और दानिखाना में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केंद्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्णतः व्यक्ति फरार हो गया है या आपने को छिपा रखा है जिससे उत्तर आवेदन का नियामन नहीं हो सके;

3. प्रतः प्रत केंद्रीय सरकार, उत्तर आविनियम की धारा ७ की उल्लंघन (1) के बाब्द (ब) द्वारा प्रदत्त अविद्युतों का प्रयोग करते हुए,

यह निरोत्तर देता है कि पूर्णतः व्यक्ति इस आवेदन के राजपत्र में प्रकाशन के ७ दिन के भावत पूर्णतः महत्विदेशी, हरियाणा, घण्टानगर के समझ हाजिर हो।

[का. सं. 673/326/88-सं. ग्र.-VIII]

S.O. 291.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/326/88-CUS.VIII dated 10-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Bachchan Singh, son of late Ajit Singh, Vill. & P. O. Hanspur, Dist. Hissar, Haryana, be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore, Calcutta with a view to preventing him from engaging in transporting smuggled goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed.

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Haryana, Chandigarh, within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/326/88-CUS.VIII]

का. आ. 292.—भारत सरकार के संयुक्त सचिव में, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन अधिनियम, 1974 (1974 का 52) का धारा ३ को उल्लंघन (1) के अधीन विवेद रूप से समाप्त किया गया है, उत्तर उत्तराखण के अधीन का. सं. 673/245/80-सं. ग्र.-४४ तारीख 26-४-१९८८ यह निरोत्तर देते हुए जारी किया था कि भी बजार चिह्न, तुर व्यवसाय प्रवाने की घासक नं. ८५६९७, मकान नं. बं. ५/३११, ऐप्प दुखनिवाल चिह्न रोड, पटियाला-८०००८० को केंद्रीय बैंक डम्बम कलाता में निरोत्तर कर लिया जाये और दानिखाना में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से रोका जा सके;

2. केंद्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्णतः व्यक्ति फरार हो गया है या आपने को छिपा रखा है जिससे उत्तर आवेदन का नियामन नहीं हो सके;

3. प्रतः प्रत केंद्रीय सरकार, उत्तर आविनियम की धारा ७ की उल्लंघन (1) के बाब्द (ब) द्वारा प्रदत्त अविद्युतों का प्रयोग करते हुए, यह निरोत्तर देते हुए कि पूर्णतः व्यक्ति इस आवेदन के राजपत्र में प्रकाशन के ७ दिन के भावत पूर्णतः महत्विदेशी, पंजाब, चंडीगढ़ के समझ हाजिर हो।

[का. सं. 673/245/88-सं. ग्र.-VIII]

S.O. 292.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/245/88-CUS.VIII dated 26-4-1988 under the said sub-section directing that Shri Jasvinder Singh, Holder of Indian Passport No. Y-259697, H. No. B5/311, Camp Dukhanvaran, Sirhind Road, Patiala, Punjab be detained and kept in custody in the Central Jail, Dum Dum, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods; and

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/245/88-CUS.VIII]

का. पा. 293--मारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन प्रधिनियम, 1974(1974 का 52) को धारा VIII को उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समरक किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन भारतीय फा.सं. 673/305/88-सी. पृ. VIII, तारीख 12-8-1988 यह नियेष देते हुए जारी किया था कि श्री नुरुद्दीन इस्माइल जा. चोपड़ा, 206 सी. विंग, शिमला हास्त, नेप्पाल मी रोड, बम्बई-400006 को केन्द्रीय जेल बम्बई में निष्ठा कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की प्रभित्वित के लिए हासिकारक किसी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विकास करने का कारण है कि पूर्णोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या उपने को छिपा रखा है जिससे उक्त अवैश्य का निष्पादन नहीं हो सके;

3. भ्रष्ट: भ्रष्ट केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 7 को उपधारा (1) के अधीन (ब) द्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियेष देती है कि पूर्णोक्त व्यक्ति इस प्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के मात्रार पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 673/305/88-सी. पृ. VIII]

S.O. 293.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/305/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that the Shri Nuruddin Esmailji Chopra, 206-C Wing, Simla House, Napean Sea Road, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commission of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/305/88-CUS.VIII]

का. पा. 294--मारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन प्रधिनियम, 1974(1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समरक किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन भारतीय फा.सं. 673/324/88-सी. पृ. VIII, तारीख 12-8-1988 यह नियेष देते हुए जारी किया था कि श्री. राहुल द्वारा बुद्ध अग्रवाल, 3/78-सी, पालिंगासाल गांव, तोहनदापुर, कूचूककोनम तालुक, बन्दाजीबांद, तमिन्दु को केन्द्रीय जेल मराठा में निष्ठा कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे विदेशी मुद्रा की प्रभित्वित के लिए हासिकारक किसी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विकास करने का कारण है कि पूर्णोक्त व्यक्ति करते हुए गया है या उपने को छिपा रखा है जिससे उक्त प्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. भ्रष्ट: भ्रष्ट केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन (ब) द्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियेष देती है कि पूर्णोक्त व्यक्ति इस प्रादेश के राजपत्र में प्रभागी के 7 दिन के मात्रार पुलिस मुद्रानियेष बिहार, पटना के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 673/324/88-सी. पृ. VIII]

S.O. 294.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/328/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Shri A. Mohamed Muthar, son of Shri Ameer Batcha, 3/78-B, Pallivasal Street, Tirumarayur, Kumbakonam Taluk Thanjavur Distt. Tamil Nadu be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Tamilnadu, Madras within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/328/88-CUS.VIII]

का. पा. 295--मारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी नियामन प्रधिनियम, 1974(1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से समरक किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन भारतीय फा.सं. 673/324/88-सी. पृ. VIII, तारीख 3-9-1988 यह नियेष देते हुए जारी किया था कि श्री प्रद्युमन अग्रवाल उर्द अग्रवाल, पुल स्व. जीवपथ प्रयवाल, अलजनपाल, डाक्कर और पांव व दिला हुमसा बिहुर की प्रेसिडेंसी ओल, कलड़ता में निष्ठा कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे माल को उत्कर्ष करने के द्वारा उत्कर्षी के माल को ढांचे लाया रखने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विकास करने का कारण है कि पूर्णोक्त व्यक्ति करते हुए गया है या उपने को छिपा रखा है जिससे उक्त अवैश्य का निष्पादन नहीं हो सके;

3. भ्रष्ट: भ्रष्ट केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन (ब) द्वारा प्रवत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह नियेष देती है कि पूर्णोक्त व्यक्ति इस प्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के मात्रार पुलिस मुद्रानियेष बिहार, पटना के समक्ष हाजिर हो।

[फा.सं. 673/324/88-सी. पृ. VIII]

S.O. 295.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/324/88-CUS.VIII dated 3-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Prabhudayal Agarwal alias Abuwala, son of late Jivraj Agarwal, Gallanpara, P.O. and Vill. and Distt. Dumka, Bihar be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from smuggling goods and engaging in transporting and keeping smuggled goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. of Police, Bihar, Patna within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/324/88-CUS.VIII]

का. धा. 296—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और दस्तकी निवारण अधिनियम, 1974(1974 का 52) की धारा 3 का उपचारा (1) के अधीन विशेष रूप से संशोधन किया गया है, उक्त उपचारा के प्रवीन आदेश फा.सं. 673/303/88-सी. धा.-VIII द्वारा 12-8-1988 यह निर्देश देते हुए, जारी किया था कि श्री शुकलजी स्ट्रीट बम्बई-400006 का केन्द्रीय जेल बम्बई में विशेष कर लिया जावे और अधिकारी में रक्षा बर्यों तकि उसे विदेशी मुद्रा की अधिकृति के लिए इनियरक किये भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त अधिकृत छापर हो गया है या अपने को छिपा रखा है विशेष उक्त आदेश का नियावत नहीं हो सके;

3. प्रति अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपचारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निरेश देते हैं कि पूर्वोक्त अधिकृत इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के अंतर पुस्तक महानिवेदन, पंजाब, चंडीगढ़ के समझ हासिर हो।

[फा.सं. 673/303/88-सी. धा.-VIII]

S.O. 296.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/303/88-CUS.VIII dated 12-8-1988 under the said sub-section directing that Shri Jayantilal Dhupaji, Municipal Building, 2nd Floor, Room No. 49, Shuklajali Street, Bombay-400006, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/303/88-CUS.VIII]

का. धा. 297—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और दस्तकी निवारण अधिनियम, 1974(1974 का 52)

की धारा 3 का उपचारा (1) के प्रवीन विशेष रूप से संशोधन किया गया है, उक्त उपचारा के प्रवीन आदेश फा.सं. 673/234/88-सी. धा.-VIII, द्वारा 20-5-1988 यह निरेश देते हुए जारी किया था कि श्री शुकलजी स्ट्रीट बम्बई-400006 का केन्द्रीय जेल बम्बई में विशेष कर लिया जावे और अधिकारी में रक्षा बर्यों तकि उसे विदेशी मुद्रा की अधिकृति के लिए इनियरक कियी भी कार्य को करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त अधिकृत छापर हो गया है या अपने को छिपा रखा है जिससे उक्त आदेश का प्रसादन नहीं हो सके;

3. प्रति अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपचारा (1) के खण्ड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निरेश देते हैं कि पूर्वोक्त अधिकृत इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के अंतर पुस्तक महानिवेदन, पंजाब, चंडीगढ़ के समझ हासिर हो।

[फा.सं. 673/234/88-सी. धा.-VIII]

1. स.के.कीष्ठरी, अमर शिव

S.O. 297.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/234/88-CUS.VIII dated 20-5-1988 under the said sub-section directing that Shri Anil Kumar Mahajan, son of Shri Brij Mohan Mahajan, resident of 3771, Guru Nanak Nagar, Batala Road, Amritsar, be detained and kept in custody in the Central Prison, Amritsar with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D. G. Police, Punjab Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/234/88-CUS.VIII]

S. K. CHOWDHRY, Under Secy.

### कार्या भवालय

(कोयला विभाग)

मई विली, 6 फरवरी, 1989

का. धा. 298—फेन्ड्रीय सरकार में, कोयला घारक भेल (अर्जेंट और विभाग) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 का उपचारा (1) के प्रवीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उनक्षेत्र (ii) तारीख 15 फरवरी, 1986 में प्रकाशित भारत वर्ताव के ऊर्जा भवालय, कोयला विभाग की प्रधिकृत्याना का. धा. 578 तारीख 29 जनवरी, 1996 द्वारा, उस प्रधिकृत्याना से उपावठ अनुसूची में विनियिष्ट परियोग में 4504.87 एकड़ (लकड़) का 2632.431 एकड़ (लकड़) माप की भूमि में कोयले का पूर्वोक्त करने के अपने प्राणान की सूचना दी थी।

और फेन्ड्रीय सरकार में, भारत सरकार के ऊर्जा भवालय (कोयला विभाग) की प्रधिकृत्याना सं. का. धा. 1000 तारीख 3 मार्च, 1998 द्वारा, वर्ता अधिनियम की धारा 7 का उपचारा (1) के प्रवीन 15 फरवरी, 88 से जारी होने वाली एक वर्ष की ओर अवधि को उस प्रधिकृति के रूप में विनियिष्ट किया था, जिसपै भीतर फेन्ड्रीय सरकार अक्तु भूमियों या ऐसी भूमि में या उन पर के किसी प्रधिकृत का अर्जन करने के अपने प्राणान की सूचना दे सकेंगी।

बारे फेन्ड्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि के किसी भाव में कोयला अधिकृत है।

असा, अब, केन्द्रीय सरकार, उम्मत अधिनियम की घारा 7 की उपचारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उससे संलग्न अनुसूची में विषित 5143.92 एकड़ (सवाभव) या 2681.674 हेक्टर (सवाभव) भूमि की भूमि में खनियों का खाला, खदान, और करने, उनकी धूपाई करने और सलाम करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और उन्हें से जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आवश्य की सूचना दी थी-

**टिप्पणी—1:** इस अधिसूचना के अंतर्गत जाने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस. ई. मी. एल. : बी. एस. पी. : जी. एम. (पी. आर. ओ. जे.) भूमि: 37, सारीख 13 जनवरी, 1989 का निरीक्षण, कलेक्टर, प्राहोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कीयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकता के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स सि. (राजस्व अनुभाग) सीपात रोड, बिलासपुर-195001 मध्य प्रदेश के कार्यालय में किया जा सकता है।

**टिप्पणी—2:** कोयला धारा के अधिन और विकास, अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 8 के उल्लंघनों को नीर व्याप्र शाकृष्ट किया जाता है, जिसमें निम्नलिखित उपचार हैं:-

प्रबंधन के लिए प्राप्ति:

(1) “8(1) कोई व्यक्ति जो किसी भूमि में जिसकी धारा 8 के अधीन अधिसूचना निकाली गई है, हितवह है, अधिसूचना के निकाले जाने के 30 दिन के भीतर सभूष्य भूमि या उसके किसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में आपत्ति कर सकता।

सम्प्रीकरण:-

इस घरा के प्रबंधनात्मक यह आपत्ति नहीं मानी जाएगी कि कोई व्यक्ति किसी भूमि में कोयला उत्पादन के लिए स्वयं बनत संकेतांक फरता चाहता है और ऐसी संकेताएं केन्द्रीय सरकार या किसी अन्य व्यक्ति को नहीं करनी चाहिए।

(2) उपचारा (1) के अधीन प्रबंधक आपत्ति सभूष्य अधिकारी को लिखित रूप में की आएगी और सभूष्य अधिकारी आपत्तिकर्ता की स्वर्ण सूते जाने का या विभिन्न व्यवसायी द्वारा सुनवाई का अवसर देता और ऐसी सभी आपत्तियों को सुनने के पश्चात और ऐसी प्रतिरिक्त जान, यदि कोई हो, करने के पश्चात जो वह आपत्तिक समझता है वह या तो घारा 7 की उपचारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के किन्हीं अधिकारों के संबंध में युक्त रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न दुर्लक्षों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों संबंध में आपत्तियों पर अपनी सिफारियों और उनके द्वारा की गई कार्रवाई के अभिभावक सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उठाए विभिन्न रूप के सिए देगा।

(3) इस घरा के प्रयोगों के लिए वह व्यक्ति किसी भूमि में हितवह समझा जाएगा और प्रतिकर में इस का दर्जा करने का दृष्टिकार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकार इस अधिनियम के अधीन अधिकृत कर दिए जाते।”

**टिप्पणी—3:** केन्द्रीय सरकार ने कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता को उनके अधिनियम के अधीन व्यवसायी अधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

करकटी व्यापक

सोहागपुर कोयला देश

जिला—शहोल (मध्य प्रदेश)

खालील अधिकार  
(राजस्व भूमि)

| क्र. | ग्राम    | साधारण संख्या | पटवारी | तहसील    | जिला | क्षेत्र | हेक्टर में |
|------|----------|---------------|--------|----------|------|---------|------------|
| 1.   | काउंसिल  | 29            | 100    | सोहागपुर | शहोल | 10.256  | भाग        |
| 2.   | बोपालपुर | 254           | 100    | सोहागपुर | शहोल | 85.859  | भाग        |
| 3.   | करकटी    | 72            | 99     | सोहागपुर | शहोल | 175.354 | भाग        |
| 4.   | वेववां   | 458           | 99     | सोहागपुर | शहोल | 60.279  | भाग        |
| 5.   | रिरोजा   | 888           | 99     | सोहागपुर | शहोल | 108.067 | भाग        |
| 6.   | बरदूर    | 676           | 91     | सोहागपुर | शहोल | 438.235 | भाग        |
| 7.   | गोदां    | 536           | 92     | सोहागपुर | शहोल | 268.648 | संपूर्ण    |
| 8.   | बमताय    | 771           | 92     | सोहागपुर | शहोल | 120.390 | भाग        |
| 9.   | छिरिहटी  | 316           | 99     | सोहागपुर | शहोल | 216.402 | भाग        |

योग:

1363.460

हेक्टर (सवाभव)

(प्रम भूमि)

| क्रम<br>सं. | कृष्णपुर्णेश्वर सं. | रेख            | दिव्यानन्द             | धेत्र हैवटर में | दिपण |
|-------------|---------------------|----------------|------------------------|-----------------|------|
| 1. 55 XXIX  | सुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 103. 730               | भाग             |      |
| 2. 56 XXIX  | बुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 130. 530               | भाग             |      |
| 3. 57 XVII  | सुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 42. 080                | संपूर्ण         |      |
| 4. 58 XVIII | सुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 83. 760                | संपूर्ण         |      |
| 5. 59 IX    | बुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 250. 900               | संपूर्ण         |      |
| 6. 60 VII   | सुरहर               | दक्षिण शहदोल   | 107. 214               | भाग             |      |
|             |                     | योग :          | 718. 214               |                 |      |
|             |                     | हैवटर (लगभग) * |                        |                 |      |
|             |                     | कुल योग :      | 2081. 674 हैवटर (लगभग) |                 |      |
|             |                     | या             | 5143. 920 पाइ (लगभग)   |                 |      |

भाग अर्थीराशी में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग)

230 (भाग), 231 (भाग), 232 से 235, 236 (भाग), 237 (भाग), 240 (भाग), 241, 242 (भाग), 243 से 247, 249 (भाग), 249 (भाग), 251 (भाग), 253 (भाग), 254 (भाग), 255 (भाग), और 291 (भाग)

भाग योगालपुर में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग)

13 (भाग), 15 (भाग), 28 (भाग), 51 (भाग), 53 (भाग), 54 से 57, 58 (भाग), 59 (भाग), 60 से 124, 125 (भाग), 126 से 128, 129 (भाग), 130 से 131, 132 (भाग), 133 (भाग), 142 (भाग), 145 (भाग), 146, 147 (भाग), 148 (भाग), 149, 154 (भाग), 155 से 168, 169 (भाग), 170 से 206, 207 (भाग), 208 (भाग), 209 (भाग), 211 (भाग), 212 (भाग), 213 (भाग), 214 (भाग), 237 (भाग), 238 से 240, 241 (भाग), 242 (भाग), 243 (भाग), 244, 245 (भाग), 246 (भाग), 247 से 270, 271 (भाग), 274 (भाग), 276 (भाग), 256/381 और 187/383 (भाग) :

भाग रुकटी में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग) :

1 से 123, 124 (भाग), 128 (भाग), 129, 130, 131 (भाग), 132, 133 (भाग), 134 से 252, 253 (भाग), 254 (भाग), 255 (भाग), 256 से 273, 274 (भाग), 275 (भाग), 276 (भाग), 277 से 290, 291 (भाग), 292 (भाग), 293 (भाग), 305 (भाग), 306 (भाग) 307 (भाग), 308, 309 (भाग), 336 (भाग), 337 (भाग), 338 (भाग), 339 से 341, 342 (भाग), 343 (भाग), 345 (भाग), 346 से 354, 355 (भाग), 360 (भाग), 469 (भाग), 471 (भाग), 473 (भाग), 479 (भाग), 756 (भाग), 757 (भाग), 758, 759, 780 (भाग), 210/795, 185/766 और 62/768।

भाग देवगढ़ी में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग)

18 (भाग), 19, 20 (भाग), 21 (भाग), और 22 (भाग)।

भाग सिरोंगा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग) :

1 से 99, 100 (भाग), 101 से 110, 111 (भाग), 112 (भाग), 113 से 114, 115 (भाग), 116 से 220, 221 (भाग), 222 (भाग), 223 (भाग), 224 (भाग), 225 (भाग), 226 (भाग), 227 से 236, 237 (भाग), 238, 239 (भाग), 240 से 248, 249 (भाग), 250 (भाग), 251 (भाग), 252 से 257, 258 (भाग), 259 (भाग), 260 (भाग), 261 (भाग), 262 (भाग), 263 (भाग), 264 (भाग), 285 (भाग), 271 (भाग), 357 (भाग), 358 (भाग), 359 (भाग), 365 (भाग), 399 (भाग), 400, 401 (भाग), 402 (भाग), 403 (भाग), 404 (भाग), 405, 406 (भाग) 407 से 408, 410 (भाग), 411 (भाग), 412 और 413 (भाग)।

भाग बरतामा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (भाग) :

310 (भाग), 314 (भाग), 315 (भाग), 316 (भाग), 374 (भाग), 375 से 394, 395 (भाग), 396 (भाग), 397 (भाग), 398 (भाग), 399 (भाग), 400 (भाग), 401 (भाग), 405 (भाग), 406 (भाग), 407 (भाग), 408 (भाग), 409 से 448, 574 से 578, 584 से 588, 589 (भाग), 594 से 596, 601 (भाग), 619 से 1039, 1044 से 1059, 1060 (भाग), 1061 से 1064, 1065 (भाग), 1066 (भाग), 1067 से 1085, 1104, 1105 (भाग), 1106 (भाग), 1107 (भाग), 1108 (भाग), 1143 (भाग), 1144 (भाग), 1145 (भाग), 1146 (भाग), 1147 (भाग), 1154 (भाग), 1155, 1156, 1157 (भाग), 1160 (भाग), 1161 (भाग), 1162 (भाग), 1167 (भाग), 1168 (भाग), 1170 (भाग), 1171 (भाग), 1172 से 1226, 1227 (भाग), 1228 से 1486, 1487 (भाग), 1488 (भाग), 1489 (भाग), 1490 से 1498, 1499 (भाग), 1500 (भाग), 1501, 1502, 1503 (भाग), 1510 (भाग), 1511 (भाग), 1512 (भाग), 1542 से 1546, 1547 (भाग), 1548 (भाग), 1549 से 1693, 1694, 1695/1696, 1262/1697, 1548/1698 (भाग), 1683/1699, 1693/1700, 826/1701 और 826/1702।

भाग योगवा में अंजित किए जाने वाले प्लाट संख्याक (संपूर्ण)

1 से 622, 330/623, 437/624 और 128/626।

ग्राम बहलनपथ में प्रजित किये जाने वाले प्लाट संख्याएँ (भाग)

617(भाग), 618(भाग), 619(भाग), 620(भाग), 621(भाग), 627(भाग), 797(भाग), 798(भाग), 799(भाग), 800(भाग), 801(भाग), 802, 803, 804(भाग), 805, 806(भाग), 807(भाग), 808, 809(भाग), 810(भाग), 812(भाग), 817(भाग), 840(भाग), 841(भाग), 844(भाग), 846(भाग), 847(भाग), 848(भाग), 849(भाग), 850, 851(भाग), 852(भाग), 853(भाग), 854, 855(भाग), 856 से 907, 908(भाग), 102 से 1044, 1045(भाग), 1049(भाग), 1285(भाग), 1296 से 1300, 1301(भाग), 1302, 1303(भाग), 1308(भाग), 1309(भाग), 1310(भाग), 1311(भाग), 1312 से 1346, 1347(भाग), 1248(भाग), 1349(भाग), 1350(भाग), 1353(भाग), 1357(भाग), 1358(भाग), 1372(भाग), 1376(भाग), 1377(भाग), 1378(भाग), 1379 से 1618 और 1033/1620।

ग्राम छिरिलटी में अवित किये जाने वाले प्लाट संख्याएँ (भाग):

2(भाग), 32(भाग), 33(भाग), 34 से 37, 38(भाग), 39(भाग), 40, 41(भाग), 42(भाग), 44(भाग), 73(भाग), 74(भाग), 75(भाग), 76(भाग), 77(भाग), 78(भाग), 82(भाग), 83(भाग), 84(भाग), 85 से 409, 490(भाग), 491, 492, 493(भाग), 500(भाग) 501(भाग), 502(भाग), 503(भाग), 510(भाग), 511(भाग), 512(भाग), 513 से 523, 524(भाग), 527(भाग), 528 से 531, 532(भाग), 533 से 536, 537(भाग), 538(भाग), 539(भाग), 541 से 629, 715 से 748, 753(भाग), 763(भाग), 823, 33/826(भाग) और 33/827।

सीमा वर्णन:

**क-ख** ऐसा ग्राम अहीरगांव में खिलू "क" से आरंभ होती है और प्लाट सं. 251, 248, 249, 291 से बुजरती है और फिर ग्राम गोपालपुर में प्लाट सं. 213, 212, 214, 211, 209, 208, 207 से होकर ग्रामसर होती है फिर कारेस्ट कम्पार्टमेंट सं. 56 XXIX से होकर ग्रामसर होती है और फिर ग्राम काकरी में प्लाट सं. 124, 128, 131, 133, 253, 478, 473 से होती हुई ग्रामसर होती है और खिलू "ख" पर लिलती है।

**ग-घ** ऐसा ग्राम काकटी में प्लाट सं. 255, 471, 469, 309, 305, 307, 274, 275, 307, 276, 293, 291, 292, 236, 343, 345, 360, 355 से होकर गुजरती है, फिर कारेस्ट कम्पार्टमेंट सं. 60 VII और प्लाट सं. 758, 767, 760 से होकर गुजरती है फिर ग्राम देवधान में प्लाट सं. 23, 21, 20, 18 से होकर ग्रामसर होती है और खिलू "ग" पर लिलती है।

**ग-घ** ऐसा ग्राम देवधान में कारेस्ट कम्पार्टमेंट सं. 60 VII और प्लाट सं. 264, 26, 264, 263, 262, 268, 261, 260, 259, 251, 258, 249, 239, 237, 226, 225, 224, 223, 222, 221, 115, 357, 358, 111, 359, 365, 160, 399, 401, 402, 403, 404, 406, 410, 411, 413 से होकर ग्रामसर होती है और ग्राम छिरिलटी में प्लाट सं. 490, 493, 500, 501, 502, 503, 513, 511, 510, 524, 527, 532, 537, 538, 539 से होकर ग्रामसर होती है फिर प्लाट सं. 539, 541, 542, 616 की पश्चिमी सीमा के ओर प्लाट सं. 626, 621, 624, 629, 392, 715, 748 दक्षिणी सीमा के सम्मत फिर प्लाट सं. 758, 763, 765 से होकर और फिर प्लाट कम्पार्टमेंट सं. 58 XVIII की दक्षिणी सीमा के सम्मत ग्रामसर होती है और खिलू "घ" पर लिलती है।

**ग-घ** ऐसा ग्राम छिरिलटी और कन्धोहा की भागत सम्पत्ति सीमा से होकर फिर छिरिलटी के प्लाट सं. 796, 786, 788, 789, 74, 73, 75, 76, 77, 78, 84, 83, 82, 38, 39, 44, 46, 34, 2, 826 से होकर गुजरती है फिर ग्राम बरतल में प्लाट सं. 1285, 1303, 1311, 1310, 1309, 1308, 1349, 1348, 1350, 1346, 1363, 1357, 1358, 1372, 1378, 1391, 1376, 1045, 1049, 908, 840, 841, 844, 846, 847, 848, 849, 851, 852, 853, 855, 817, 809, 810, 807, 812, 806, 805, 801, 793, 797, 804 से होकर ग्रामसर होती है फिर ग्राम बरतल में प्लाट सं. 1227 से होकर पुनः ग्राम बरतल में प्लाट सं. 627, 621, 620, 619, 618, 617 से होती हुई पुनः ग्राम बरतल के प्लाट सं. 1170, 1171, 1168, 1167, 1162, 1161, 1160, 1157, 1154, 1146, 114, 1060, 1144, 1143, 1065, 1068, 1107, 1105, 1106, 1105 से होकर ग्रामसर होती है और खिलू "क" पर लिलती है।

**ग-घ** ऐसा ग्राम बरतल में प्लाट सं. 1105, 1104, 1082, 1083, 1085, 1084, 1044 की उत्तरी सीमा के साथ फिर प्लाट सं. 1028, 1029, 1034, 1039, पश्चिमी सीमा के साथ-साथ फिर प्लाट सं. 1039, 1038, 1037, की उत्तरी सीमा के साथ-साथ और प्लाट सं. 619, 623, 601, 596, 594, 589, 588, 584, 585, 678, 677, 574, 571, 448, 447, 439, 437, 385, 384, 383, 376, 375, 374, की पश्चिमी सीमा के साथ-साथ ग्रामसर होता है और खिलू "क" पर लिलती है।

**ग-घ** ऐसा ग्राम गोपलपुर में प्लाट सं. 13, 59, 15, 58, 28, 51, 53, 125, 133, 132, 142, 129, 145, 147, 148, 169, 383, 154 से होता हुई गुजरती है फिर ग्राम अहीरगांव में प्लाट सं. 230, 231, 237, 236, 240, 255, 242, 254, 253, 251 से होकर गुजरता है और ग्रामसिंह खिलू "क" पर लिलती है।

## MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 6th February, 1989

S.O. 298.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal S.O. 578 dated the 29th January, 1986 under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) and published in the Gazette of India in Part-II, Section-3 Sub-section (ii) dated 15th February, 1986, the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 6504.87 acres (approximately) or 2632.431 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule annexed to that notification;

And whereas by the notification of the Government of India, Ministry of Energy (Department of Coal) No. S.O. 1000 dated the 3rd March, 1988 under sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government specified a further period of one year commencing from the 15th February, 1988 as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable in a part of the said land;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away minerals in the lands measuring 5143.92 acres (approximately) or 2081.674 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto;

Note—1 : The plan bearing No. SFCL : BSP : GM-(PROT) : LAND 37 dated 13th January, 1989 of the area covered by this notification may be inspected in the office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seerni Road, Bilaspur-495001 (Madhya Pradesh).

Note—2 : Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the aforesaid Act which provides as follows :

## OBJECTIONS TO ACQUISITION :

"8(1)—Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

## Explanation :—

It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operations in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the Competent Authority in writing and the Competent Authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further enquiry, if any, as he thinks necessary, either makes a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land or make different reports in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceeding held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purpose of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any right in or over such land were acquired under this Act".

Note 3 : The Coal Controller, 1, Council House Street Calcutta has been appointed by the Central Government as the Competent Authority under the Act."

SCHEDULE  
KARKATI BLOCK  
SOHAGPUR COALFIELD  
DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

## MINING RIGHTS

(Revenue Land)

| S.No. | Village   | General Number | Patwari Halka Number | Tahsil   | District | Area in hectares | Remarks |
|-------|-----------|----------------|----------------------|----------|----------|------------------|---------|
| 1.    | Ahingawan | 29             | 100                  | Sohagpur | Shahdol  | 10.526           | Part.   |
| 2.    | Gonalpur  | 254            | 100                  | Sohagpur | Shahdol  | 85.559           | Part.   |
| 3.    | Karkati   | 72             | 99                   | Sohagpur | Shahdol  | 175.354          | Part.   |
| 4.    | Deogawan  | 458            | 99                   | Sohagpur | Shahdol  | 100.279          | Part.   |
| 5.    | Sircunja  | 988            | 99                   | Sohagpur | Shahdol  | 108.057          | Part.   |
| 6.    | Bartara   | 676            | 91                   | Sohagpur | Shahdol  | 438.235          | Part.   |
| 7.    | Noungawan | 526            | 92                   | Sohagpur | Shahdol  | 208.648          | Full.   |
| 8.    | Khaleuth  | 771            | 92                   | Sohagpur | Shahdol  | 120.300          | Part.   |
| 9.    | Chhirihti | 316            | 99                   | Sohagpur | Shahdol  | 216.402          | Part.   |
| Total |           |                |                      |          |          | 1363.460         |         |

Hectares  
(approximately)

## (Forest Land)

| S. No. | Compartment Number | Range  | Division                    | Area in hectares | Remarks |
|--------|--------------------|--------|-----------------------------|------------------|---------|
| 1.     | 55 XXIX            | Burhar | South Shahdol               | 103.730          | Part.   |
| 2.     | 56 XXIX            | Burhar | South Shahdol               | 130.530          | Part.   |
| 3.     | 57 XVII            | Burhar | South Shahdol               | 42.080           | Full.   |
| 4.     | 58 XVIII           | Burhar | South Shahdol               | 83.760           | Full.   |
| 5.     | 59 XIX             | Burhar | South Shahdol               | 250.900          | Full    |
| 6.     | 60 VII             | Burhar | South Shahdol               | 107.214          | Part.   |
|        |                    |        | Total                       | 718.214          |         |
|        |                    |        | Hectares<br>(approximately) |                  |         |

Grand Total : 2081.674 Hectares (approximately)

OR

5143.920 Acres (approximately)

Plot numbers to be acquired in Village Aliengawan (Part).

230(P), 231(P), 232 to 235, 236(P), 237(P), 240(P), 241, 242(P), 243 to 247, 248(P), 249(P), 251(P), 253(P) 254(P), 255(P), and 291(P).

Plot numbers to be acquired in village Gopalpur (Part.)

13(P), 15(P), 23(P), 51(P), 53(P), 54 to 57, 58(P), 59 (P), 60 to 124, 125(P), 126 to 128, 129(P), 130 to 131, 132(P), 133(P), 142(P), 145(P), 146, 147(P), 148(P), 149, 154(P), 155 to 168, 169(P), 170 to 206, 207(P), 208(P), 209(P), 211(P), 212(P), 213(P), 214(P), 237(P), 238 to 240, 241(P), 242(P), 243(P), 244, 245(P), 246(P), 247 to 270, 271(P), 274(P), 276(P), 256/381, and 167/383(P).

Plot numbers to be acquired in village Karkati k(Part).

1 to 123, 124(P), 128(P), 129, 130, 131(P), 132, 133(P), 134 to 252, 253(P), 254(P), 255(P), 256 to 273, 274(P), 275(P), 276(P), 277 to 290, 291(P), 292(P), 293(P), 305(P), 306(P), 307(P), 308, 309(P), 336(P), 337(P), 338(P), 339 to 341, 342 (P), 343(P), 345(P), 346 to 354, 355(P), 360(P), 469(P), 471(P), 473(P), 479(P), 755(P), 757(P), 758, 759, 760(P), 219/765, 185/766 and 62/768.

Plot numbers to be acquired in village Deogawan (Part.).

18(P), 19, 20(P), 21(P), and 22(P).

Plot numbers to be acquired in village Siraunja (Part.).

1 to 99, 100(P), 101 to 110, 111(P), 112(P), 113 to 114, 115(P), 116 to 220, 221(P), 222(P), 223(P), 224(P), 225(P), 226(P), 227 to 236, 237(P), 238 239(P), 240 to 248, 249(P), 250(P), 251(P), 252 to 257, 258(P), 259(P), 260(P), 261(P), 262(P), 263(P), 264(P), 265(P), 271(P), 357(P), 358(P), 359(P), 365(P) 399(P), 400, 401(P), 402(P), 403(P), 404(P), 405, 406(P), 407 to 409, 410(P), 411(P), 412 and 413(P).

Plot numbers to be acquired in village Bartara (Part.).

310(P), 314(P), 315(P), 316(P), 374(P), 375 to 394, 395(P), 396(P), 397(P), 398(P), 399(P), 400(P), 401(P), 405(P), 405(P), 407(P), 408(P), 409 to 488, 574, to 578, 584 to 583, 589(P), 594 to 596, 601(P), 619 to 1039, 1044 to 1059, 1060(P), 1061 to 1064, 1065(P), 1066(P), 1067 to 1085, 1104 1105(P), 1106(P), 1107(P), 1108(P), 1143(P), 1144(P), 1145(P), 1146(P), 1147(P), 1154(P), 1155, 1156, 1157(P), 1160(P), 1161(P), 1162(P), 1167(P), 1168(P) 1170(P), 1171(P), 1172 to 1226, 1227(P), 1228 to 1486, 1487(P), 1488(P), 1489(P), 1490 to 1498, 1499(P), 1500(P), 1501, 1502, 1503(P), 1510(P), 1511(P), 1512(P), 1542 to 1546, 1547(P), 1548(P), 1549 to 1693, 736/1694, 793/1695, 1262/1696, 1262/1697, 1548/1698(P), 1683/1699, 1693/1700, 826/1701, and 826/1702.

Plot numbers to be acquired in village Naugawan (Full).

1 to 622, 333/623, 437/624 and 128/625.

Plot numbers to be acquired in village Khlnath (Part).

617(P), 618(P), 619(P), 620(P), 621(P), 627(P), 797(P), 798(P), 799(P), 800(P), 801(P), 802, 803, 804(P), 805, 806(P), 807(P), 808, 809(P), 810(P), 812(P), 817(P), 840(P), 841(P), 844(P), 845(P), 847(P), 848(P), 849(P), 850, 851(P), 852(P), 853(P), 854, 855(P), 856 to 907, 908(P), 909 to 1044, 1045(P), 1049(P), 1285 (P), 1286 to 1300, 1310(P), 1302 1303(P), 1308(P), 1309(P), 1310(P), 1311(P), 1312 to 1345, 1347(P), 1348(P), 1349(P), 1350(P), 1353(P), 1357(P), 1358(P), 1372(P), 1376(P), 1377(P), 1378(P), 1379 to 1618 and 1033/1620.

Plot numbers to be acquired in village Chhirihti (part).

2(P), 32(P), 33(P), 34 to 37, 38(P), 39(P), 40, 41(P), 42(P), 44(P), 73(P), 74(P), 75(P), 76(P), 77(P), 78(P), 82(P), 83(P), 84(P), 85 to 489, 490(P), 491, 492, 493(P), 500(P), 501(P), 502(P), 503(P), 510(P), 511(P), 512(P), 513 to 523, 524(P), 527(P), 528 to 531, 532(P), 533 to 536, 537(P), 538(P), 539(P), 541 to 629, 715 to 748, 758(P), 763(P), 764 765(P), 786(P), 788 (P), 789(P), 796(P), 592/820, 422/825, 33/826(P), and 33/827.

Boundary Description:

**A—B** Line starts from point 'A' in village Ahlgawan and passes through plot numbers 251, 248, 249, 291, and then proceeds in village Gopalpur through plot numbers 213, 212, 214, 211, 209, 208, 207, then through Forest Compartment number 56 XXIX and through plot numbers 237, 241, 242, 243, 245, 246, 276, 274, 271 and proceeds in village Karkati through plot numbers 124, 128, 131, 133, 253, 479, 473 and meets at point 'B'.

**B—C** Line passes in village Karkati through plot numbers 255, 471, 469, 309, 306, 305, 307, 274, 275, 307, 276, 293, 291, 292, 336, 343, 345, 360, 305 then through Forest compartment number 60 VII and through plot numbers 756, 757, 760 then proceeds in village Deogawan through plot numbers 22, 21, 20, 18 and meets at point 'C'.

**C—D** Line passes in village Deogawan through Forest compartment number 60 VII then proceeds in villages Siraunja through Forest compartment number 60 VII and through plot numbers 264, 265, 264, 261, 262, 258, 261, 260, 259, 251, 250, 249, 239, 237, 226, 225, 224, 223, 222, 221, 115, 357, 358, 111, 359, 365, 100, 399, 401, 402, 403, 404, 406, 410, 411, 413, and proceeds in village Chhirihti through plot numbers 490, 493, 500, 501, 502, 503, 512, 511, 510, 524, 527, 532, 537 538, 539, then western boundary of plot numbers 539, 541, 542, 616, and southern boundary of plot numbers 620, 621, 624, 629, 392, 715, 748 then through plot numbers 758, 763, 765, and then along the southern boundary of Forest compartment number 58 XVIII and meets at point 'D'.

**D—E** Line passes partly common boundary of Chhirihti and Kandauha then through plot numbers 796 786, 788, 789, 74, 73, 75, 76, 77, 78, 84, 83, 82, 38, 39, 44, 42, 32, 2, 826 of village Chhirihti then proceeds in village Khlnath through plot numbers 1285, 1303, 1311, 1310, 1309, 1303, 1349, 1348, 1350, 1347, 1353, 1357, 1358, 1372, 1378, 1371, 1376, 1045, 1049, 908, 840, 841, 844, 846, 847, 848, 849, 851, 852, 853, 855, 817, 809, 810, 807, 812, 806, 805, 801, 798, 797 804 then proceeds in village Bartara through plot number 1227 again proceeds in village Khlnath through plot numbers 627, 621, 620, 619, 618, 617 again proceeds in village Bartara through plot numbers 1170, 1171, 1168, 1167, 1162, 1161, 1160, 1157, 1154, 1146, 1145, 1060, 1144, 1143, 1065, 1066, 1107, 1105, 1106, 1105 and meets at point 'E'.

**E—F** Line passes in village Bartara along northern boundary of plot numbers 1105, 1104, 1082, 1083, 1085, 1084, 1044, then western boundary of plot numbers 1028, 1029, 1034, 1039 then northern boundary of plot numbers 1039, 1038, 1037 and western boundary of plot numbers 619, 625, 601, 596, 594, 589, 588, 584, 585, 578, 577, 574, 571, 448, 447, 438, 437, 385, 384, 383, 376, 375, 374 and meets at point 'F'.

**F—G—H** Line passes in village Bartara through plot numbers 374, 316, 315, 314, 310, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 408, 407, 406, 405, 1499, 401, 1500, 1512, 1501, 1510, 1503, 1489, 1488, 1487, then through Forest compartment number 55 XXIX and through plot numbers 1698, 1548, 1547, then common boundary of villages Bartara-Chituhla, Gopalpur-Chituhla and meets at point 'H'.

**H—A** Line passes in village Gopalpur through plot numbers 13, 59, 15, 58, 28, 51, 53, 125, 133, 132, 142, 129, 145, 147, 148, 169, 383, 154, then proceeds in village Ahlgawan through plot numbers 230, 231 237, 236, 240, 255, 242, 254, 253, 251 and meets at the starting point 'A'.

**पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन**

तई दिल्ली, 13 जनवरी, 1989

का.आ. 299.—यह पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन सूने में उपयोग के अधिकार का अर्थात् 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपाधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन को प्रतिवृत्ता का.आ. सं. 1901 सारीख 8-6-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रतिवृत्ता में पाइप चुनौती में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाश्च लाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आंशक घोषित कर दिया था।

श्रौत यह: सभी ग्रामियों ने उक्त प्रतिवृत्त की वाय 6 ला. 1910 (1) के अधीन सरकार को दिये हैं।

श्रौत यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इस प्रतिवृत्ता में संबंध अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों व उपयोग का अधिकार अंजित करने का घोषित कर दिया था।

श्रौत यह: उक्त प्रतिवृत्त की धारा 6 की उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त शब्दिन का उपयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार एन्डोर्स वोल्फ़ ने कहा है कि इस अधिकृतना में उक्त अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमि पे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के लिए प्राइवेट ग्रामियों का अधिकार अंजित किया जाना है।

श्रौत यह: उक्त धारा की उपाधारा (4) द्वारा प्रदत्त शब्दिनों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय लेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग द्वा अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने को आव बाबा ने और प्राकृतिक गैस उपयोग में भी जाधारों में मुक्त है में घोषणा के प्रकाशन की इमारती बिछाने को निर्दित होगा।

**अनुसूची**

गांधार से ध्वन्यारण तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

| संघ         | खालीक नं.   | सर्वे नं. | ट्रैक्टर ग्राम सेन्टीमीटर |
|-------------|-------------|-----------|---------------------------|
| सोभा        | 670 ए       | 775       | 0 06 00                   |
|             |             | 773       | 0 03 50                   |
|             | 670 बी      | 816       | 0 03 50                   |
|             | 673         | 812       | 0 06 80                   |
|             | 676         | 593       | 0 02 50                   |
|             |             | 595       | 0 03 00                   |
|             | 663         | 594       | 0 10 60                   |
|             | 662         | 590       | 0 07 90                   |
|             | 661         | 589       | 0 03 50                   |
| कार्ट ट्रैक | कार्ट ट्रैक | 0 00 60   |                           |
|             | 553         | 491       | 0 10 00                   |
|             |             | 499       | 0 06 00                   |
|             | 562         | 498       | 0 07 70                   |
|             | 557         | 497       | 0 07 30                   |
|             |             | 557       | 0 05 80                   |
| कार्ट ट्रैक | कार्ट ट्रैक | 0 00 70   |                           |
|             | 499         | 0 06 00   |                           |
| 562         | 498         | 0 07 70   |                           |
| 557         | 497         | 0 07 30   |                           |
| 557         | 495         | 0 05 80   |                           |
| कार्ट ट्रैक | कार्ट ट्रैक | 0 00 70   |                           |

**MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS**

New Delhi, the 13th January, 1989

S.O. 299.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1901 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And further whereas the Central Government has, after section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

**SCHEDULE**

Pipeline: from Gandhar to Dhuvaran

State: Gujarat Dist.: Vadodara Taluka: Padra

| Village | Block No.  | Survey No. | Hectare | Centiare |
|---------|------------|------------|---------|----------|
| Mobha   | 670 A      | 775        | 0       | 06 00    |
|         |            | 773        | 0       | 03 50    |
|         | 670 B      | 816        | 0       | 03 50    |
|         | 673        | 812        | 0       | 06 80    |
|         | 674        | 813        | 0       | 00 50    |
|         | 675        | 593        | 0       | 02 50    |
|         |            | 593        | 0       | 03 00    |
|         | 653        | 594        | 0       | 10 60    |
|         | 662        | 591        | 0       | 07 90    |
|         | 661        | 539        | 0       | 03 50    |
|         | Cart track | Cart track | 0       | 00 60    |
|         |            | 553        | 0       | 10 00    |
|         |            | 499        | 0       | 06 00    |
|         | 562        | 498        | 0       | 07 70    |
|         | 556        | 497        | 0       | 07 30    |
|         | 557        | 495        | 0       | 05 80    |
|         | Cart track | Cart track | 0       | 00 70    |

[N.O. 11027/142/88-ONG-D.III]

का.आ. 300.—यह पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का प्रतीक अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपाधारा (1) के प्रयोग सरकार द्वारा दर्शाये गये पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन को प्रतिवृत्ता का.आ. सं. 472 तारीख 1-2-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रतिवृत्ता में संबंध अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अंजित करने का अपना आंशक घोषित कर दिया था।

और यह भारत प्रधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को स्थिर कर दी है।

और आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विवार करने के पश्चात् इन प्रधिसूचना से संबंध भ्रुतूरी में विनिश्चित भूमियों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित करने के विविध रूपों से विविध रूपों में उपयोग का प्रधिकार अर्जित किया है।

अब, अन्त उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा योग्य करती है कि इन प्रधिसूचना में गंवन भ्रुतूरी में विनिश्चित उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार पाइप लाइन विद्युत के लिए उपधारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उग धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निर्धा द्वारा के बाहर तेज आंतर प्राकृतिक गैस वायों में, वर्षा वायों में या और भूमि घोषणा के प्रकार की इस वारीव लाइनिंग है।

### भ्रुतूरी

गांधार ने ध्वारा नहीं करी जिती रही।

राज -गुजरात जिला -वडोदरा नामक तरी

| गांव | लाइफ नं. | डेस्टर और सेटीर |
|------|----------|-----------------|
|------|----------|-----------------|

| 1           | 2   | 3  | 4  | 5  |
|-------------|-----|----|----|----|
| भ्रुतूरी    | 285 | 0  | 25 | 34 |
|             | 287 | 0  | 05 | 98 |
|             | 284 | 0  | 01 | 75 |
|             | 283 | 0  | 22 | 70 |
|             | 316 | 0  | 00 | 56 |
|             | 315 | 0  | 32 | 43 |
|             | 314 | 0  | 55 | 04 |
|             | 313 | 0  | 03 | 00 |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 02 | 55 |    |
|             | 312 | 0  | 19 | 05 |
|             | 335 | 0  | 48 | 90 |
|             | 336 | 0  | 15 | 60 |
|             | 337 | 0  | 10 | 03 |
|             | 338 | 0  | 00 | 25 |
|             | 340 | 0  | 18 | 05 |
|             | 339 | 0  | 27 | 00 |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 03 | 60 |    |
|             | 249 | 0  | 46 | 65 |
|             | 342 | 0  | 21 | 75 |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 03 | 90 |    |
|             | 42  | 0  | 20 | 40 |
|             | 41  | 0  | 15 | 75 |
|             | 43  | 0  | 16 | 50 |
|             | 45  | 0  | 33 | 30 |
|             | 44  | 0  | 06 | 27 |
|             | 52  | 0  | 56 | 01 |
|             | 54  | 0  | 01 | 56 |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 03 | 00 |    |
|             | 30  | 0  | 38 | 55 |

| भ्रुतूरी    | 1   | 2  | 3  | 4  | 5 |
|-------------|-----|----|----|----|---|
| भ्रुतूरी    | 61  | 0  | 44 | 88 |   |
|             | 27  | 0  | 03 | 50 |   |
|             | 63  | 0  | 03 | 42 |   |
|             | 62  | 0  | 31 | 05 |   |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 13 | 60 |    |   |
|             | 754 | 0  | 09 | 78 |   |
|             | 753 | 0  | 54 | 75 |   |
| कार्ट ट्रैक | 0   | 02 | 70 |    |   |
|             | 751 | 0  | 24 | 60 |   |
|             | 740 | 0  | 39 | 60 |   |
|             | 739 | 0  | 24 | 35 |   |
|             | 723 | 0  | 00 | 57 |   |
|             | 727 | 0  | 35 | 54 |   |
|             | 728 | 0  | 00 | 24 |   |
|             | 730 | 0  | 31 | 05 |   |

[सं. ओ.-11027/36/88- ओएनजी-टी III]

S.O. 300.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 472 dated 1-2-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline:

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

### SCHEDULE

Pipeline from Gandhar to Dhuvaran

State : Gujarat District : Vadodara Taluka : Padra

| Village    | Block No. | Hectare | Arc | Centiare | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------|-----------|---------|-----|----------|---|---|---|---|---|
| Abhoy      | 285       | 0       | 25  | 34       |   |   |   |   |   |
|            | 287       | 0       | 05  | 98       |   |   |   |   |   |
|            | 284       | 0       | 01  | 75       |   |   |   |   |   |
|            | 288       | 0       | 22  | 70       |   |   |   |   |   |
|            | 316       | 0       | 00  | 56       |   |   |   |   |   |
|            | 315       | 0       | 32  | 43       |   |   |   |   |   |
|            | 314       | 0       | 55  | 04       |   |   |   |   |   |
|            | 313       | 0       | 03  | 00       |   |   |   |   |   |
| Cart track | 0         | 02      | 55  |          |   |   |   |   |   |
|            | 312       | 0       | 19  | 05       |   |   |   |   |   |
|            | 335       | 0       | 48  | 90       |   |   |   |   |   |
|            | 336       | 0       | 15  | 60       |   |   |   |   |   |

| 1          | 2 | 3 | 4  | 5  | श्रनुभूति.                                   |
|------------|---|---|----|----|--|
| 337        |   | 0 | 10 | 08 | के, एवं के, केम II की पाइपलाइन बिछाने के लिए |
| 338        |   | 0 | 00 | 23 |  |
| 340        |   | 0 | 18 | 05 | राज्य. गुजरात                                |
| 339        |   | 0 | 27 | 00 | जिला : अहमदाबाद                              |
| Cart track |   | 0 | 03 | 60 | लालुख वडा/पोइ                                |
| 249        |   | 0 | 46 | 65 |  |
| 342        |   | 0 | 21 | 75 | गांव   |
| Cut track  |   | 0 | 03 | 90 | ब्लॉक नं.                                    |
| 42         |   | 0 | 20 | 40 | हेक्टर                                       |
| 41         |   | 0 | 15 | 75 | भार  |
| 43         |   | 0 | 16 | 50 | सेटीयर                                       |
| 45         |   | 0 | 33 | 30 |  |
| 344        |   | 0 | 06 | 27 | 670  |
| 52         |   | 0 | 56 | 04 | फार्ट ट्रैक                                  |
| 52         |   | 0 | 56 | 04 | 0 19 00                                      |
| 54         |   | 0 | 01 | 56 | 57   |
| Cart track |   | 0 | 03 | 00 | 0 00 70                                      |
| 30         |   | 0 | 33 | 55 | 55   |
| 61         |   | 0 | 44 | 88 | 0 02 80                                      |
| 27         |   | 0 | 03 | 50 | 58   |
| 63         |   | 0 | 03 | 42 | 0 12 55                                      |
| 62         |   | 0 | 31 | 05 | 59   |
| Cut track  |   | 0 | 13 | 60 | 60   |
| 754        |   | 0 | 0  | 78 | 62   |
| 753        |   | 0 | 54 | 75 | 61   |
| Cart track |   | 0 | 02 | 70 | 128  |
| 751        |   | 0 | 24 | 60 | 0 11 70                                      |
| 740        |   | 0 | 39 | 60 | 127  |
| 739        |   | 0 | 24 | 35 | 0 01 30                                      |
| 723        |   | 0 | 00 | 56 | 124  |
| 727        |   | 0 | 35 | 54 | 0 00 34                                      |
| 728        |   | 0 | 31 | 04 | 126  |
|            |   |   |    |    | 0 02 36                                      |
|            |   |   |    |    | 125  |
|            |   |   |    |    | 0 01 40                                      |
|            |   |   |    |    | 122  |
|            |   |   |    |    | 0 10 30                                      |
|            |   |   |    |    | 121  |
|            |   |   |    |    | 0 04 90                                      |
|            |   |   |    |    | 120  |
|            |   |   |    |    | 0 05 40                                      |
|            |   |   |    |    | 119  |
|            |   |   |    |    | 0 09 10                                      |
|            |   |   |    |    | 116  |
|            |   |   |    |    | 0 08 60                                      |
|            |   |   |    |    | 143  |
|            |   |   |    |    | 0 12 06                                      |
|            |   |   |    |    | 144  |
|            |   |   |    |    | 0 16 10                                      |
|            |   |   |    |    | 162  |
|            |   |   |    |    | 0 10 00                                      |
|            |   |   |    |    | 163  |
|            |   |   |    |    | 0 11 70                                      |
|            |   |   |    |    | 181  |
|            |   |   |    |    | 0 08 60                                      |
|            |   |   |    |    | 180  |
|            |   |   |    |    | 0 10 50                                      |
|            |   |   |    |    | 183  |
|            |   |   |    |    | 0 07 50                                      |
|            |   |   |    |    | 184  |
|            |   |   |    |    | 0 09 10                                      |

[N.O. 11027/36/88-ONG-D.III]

5

का. आ. 301.—यह : पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन मूल्य में उपयोग के प्रधिकार का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की प्रधिसूचना का आ.स. 1907 तरीख 19-6-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुभूति में विनियिष्ट मूल्यों में उपयोग के प्रधिकार को विवरणीय बिछाने के लिए अंजित करने का अपना अधिकार अंजित कर दिया था।

और यह : सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट देवा है।

और आगे, यह : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस प्रधिसूचना से संलग्न अनुभूति में विनियिष्ट उक्त मूल्यों में उपयोग का प्रधिकार अंजित करने का विवरण दिया

अब, अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त एकिन का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुभूति में विनियिष्ट उक्त मूल्यों में उपयोग का प्रधिकार विवरणीय बिछाने के लिए एवं द्वारा अंजित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अन्तिमों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त मूल्यों में उपयोग का प्रधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए तेव और प्राकृतिक गैस आयोग में, या आधारों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तरीख की निहित होगी।

S.O. 301.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1907 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the

[स.आ--11027/132/88--ओप्पन्जी-डी III]

right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on the date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline for K.N.R. Ptos. H.

| State : Gujarat | District : Ahmedabad | Taluka : Dabhoi |      |      |  |
|-----------------|----------------------|-----------------|------|------|--|
| Village         | Block No.            | Hectare         | Acre | Cent |  |
| J               | 2                    | 3               | 4    | 5    |  |
| OAD             | 670                  | 0               | 19   | 00   |  |
|                 | Cortmuk              | 0               | 00   | 70   |  |
|                 | 57                   | 0               | 02   | 80   |  |
|                 | 55                   | 0               | 12   | 55   |  |
|                 | 53                   | 0               | 44   | 95   |  |
|                 | 59                   | 0               | 06   | 90   |  |
|                 | 60                   | 0               | 15   | 40   |  |
|                 | 62                   | 0               | 18   | 50   |  |
|                 | 61                   | 0               | 09   | 50   |  |
|                 | 128                  | 0               | 11   | 70   |  |
|                 | 27                   | 0               | 0    | 30   |  |
|                 | 124                  | 0               | 00   | 34   |  |
|                 | 126                  | 0               | 02   | 36   |  |
|                 | 125                  | 0               | 01   | 40   |  |
|                 | 122                  | 0               | 10   | 30   |  |
|                 | 121                  | 0               | 64   | 90   |  |
|                 | 120                  | 0               | 05   | 40   |  |
|                 | 119                  | 0               | 09   | 10   |  |
|                 | 116                  | 0               | 08   | 60   |  |
|                 | 143                  | 0               | 12   | 00   |  |
|                 | 144                  | 0               | 07   | 20   |  |
|                 | 155                  | 0               | 10   | 10   |  |
|                 | 162                  | 0               | 10   | 00   |  |
|                 | 163                  | 0               | 11   | 10   |  |
|                 | 181                  | 0               | 06   | 60   |  |
|                 | 180                  | 0               | 10   | 50   |  |
|                 | 183                  | 0               | 07   | 50   |  |
|                 | 184                  | 0               | 09   | 10   |  |

[No. O-11027/132/88-ONG-D. III]

का. आ. 302.—यह : पेट्रोलियम और अधिकार पाइपलाइन भूमि में उपरोक्त के प्रधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धरण 3 की उपराय (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस सत्रालग की अधिकृतता का. आ. म. 1902 नं. वा. 8-6-88 द्वारा केंद्रीय सरकार ने उक्त अधिकृतता में संचरण अनुमति में विनियित घूमियों में उपरोक्त के प्रधिकार की प्राप्ति का अपना आशय अधिनियम कर दिया था।

और यह : सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धरण 6 की उपराय (1) के अंतर्गत गरहार को विपार्द करदे हैं।

और यह, यह : केंद्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिकृतता से संबंध अनुमति में विनियित घूमियों में उपरोक्त का अधिकार अंति 1 दिन का विनियन्त्रण किया है।

अब, यह : उक्त अधिकृतता की धरण 6 की उपराय (1) द्वारा पाइपलाइन का प्रोत्तर करने हुए केंद्रीय सरकार एवं द्वारा घूमियों करती है कि इस प्राधिकृतता में संबंध अनुमति में विनियित उक्त घूमियों में उपरोक्त का 'प्रिवेट' पाइपलाइन वियास के लिए अधिनियम किया जाता है।

और यह उक्त धरण 6 की उपराय (1) द्वारा प्रदत्त घूमियों का प्रयोग करने हुए केंद्रीय सरकार निवेश देनी है कि इस प्रमियों में ग्रामीण क्षेत्र परिवहन सम्बन्ध में लिहार होने की वजह से नेत्र और प्राकृतिक गैस अधिनियम में मरी वाधाओं ने मूल रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस तर्जाका लिहित होगा।

## अनुमति

के. एन. के. फेम II की पाइप लाइन विद्यासे के लिए

राज्य : गुजरात जिला : बेचा नामुका : नार्डीपाटा

गांव अंक नं. हुक्टेयर ग्राम सेर्टिप्र

|        |     |   |    |    |
|--------|-----|---|----|----|
| रामपुर | 104 | 0 | 08 | 50 |
|        | 101 | 0 | 06 | 20 |
|        | 109 | 0 | 00 | 35 |
|        | 111 | 0 | 04 | 40 |
|        | 90  | 0 | 05 | 00 |
|        | 116 | 0 | 01 | 70 |
|        | 89  | 0 | 13 | 80 |
|        | 88  | 0 | 06 | 20 |
|        | 180 | 0 | 11 | 40 |
|        | 185 | 0 | 06 | 00 |
|        | 186 | 0 | 02 | 40 |
|        | 195 | 0 | 10 | 10 |
|        | 191 | 0 | 01 | 30 |
|        | 193 | 0 | 15 | 00 |
|        | 232 | 0 | 00 | 25 |
|        | 231 | 0 | 10 | 00 |
|        | 247 | 0 | 00 | 50 |
|        | 246 | 0 | 09 | 00 |
|        | 248 | 0 | 03 | 60 |

[ग. ओ. 11027/138/88-आप्ल. जी डी III]

S.O. 302.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 1902 dated 8-6-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

Pipeline for K.N.K. Phase II.

| State : Gujarat | District : Kheda | Taluka : Nadiad | Village | Block No. | Hectare | Are | Centiare |
|-----------------|------------------|-----------------|---------|-----------|---------|-----|----------|
| Rampur          | 104              |                 |         |           | 0       | 08  | 50       |
|                 | 101              |                 |         |           | 0       | 06  | 20       |
|                 | 109              |                 |         |           | 0       | 00  | 35       |
|                 | 111              |                 |         |           | 0       | 04  | 40       |
|                 | 90               |                 |         |           | 0       | 05  | 00       |
|                 | 116              |                 |         |           | 0       | 01  | 70       |
|                 | 89               |                 |         |           | 0       | 13  | 80       |
|                 | 88               |                 |         |           | 0       | 06  | 20       |
|                 | 180              |                 |         |           | 0       | 11  | 40       |
|                 | 185              |                 |         |           | 0       | 06  | 00       |
|                 | 186              |                 |         |           | 0       | 02  | 40       |
|                 | 195              |                 |         |           | 0       | 10  | 10       |
|                 | 194              |                 |         |           | 0       | 01  | 30       |
|                 | 193              |                 |         |           | 0       | 15  | 00       |
|                 | 222              |                 |         |           | 0       | 00  | 25       |
|                 | 221              |                 |         |           | 0       | 10  | 00       |
|                 | 247              |                 |         |           | 0       | 00  | 50       |
|                 | 246              |                 |         |           | 0       | 09  | 00       |
|                 | 248              |                 |         |           | 0       | 08  | 60       |

[N.O. 11027/138/88-ONG-D. III]

नई विल्ली, 24 जनवरी, 1989।

का. आ. 303.—यत् केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोध-हिं में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में गनवा जी. जी. एम. I से लगता वी. जी. एम. III तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइसेंस को बिलाने के अवैधत के लिए एनडीएवड अनुमति में विभिन्न भूमि में उपर्योग का अधिकार अंजित करता आवश्यक है।

अब अब ऐसे अवैधत और अनियंत्रित पाइपलाइन (भूमि में उपर्योग के अधिकार का अंजेन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपर्याय (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपर्योग का अधिकार अंजित करने का अपना आवश्यक अधिकार घोषित किया है।

वर्णते कि उस भूमि में हिन्दुवड़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आवश्यक, सकार प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग और नियन्त्रण और वेप्रासाद पश्चात, सकारपुरा रोड, बडोदा-9 को हज अधिकृत की तरीख से 21 दिनों के लंबाई कर सकेगा।

और ऐसा असेष करने वाला हर व्यक्ति विरिदिष्ट है कि क्यन करेगा कि क्या यह चलता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या निर्माण विधि व्यवसायी के मार्फत।

## अनुसूची

नवया जी. जी. एम. I से लगता जी. जी. एम. III तक पाइप लाइन बिलाने के लिए।

राज्य - गुजरात जिला - महाराजा तालुका - चानपाटा

| गांव      | मर्त्ते नं. | हेक्टेमर एक्टर. | सेव्ट एक्टर. |    |
|-----------|-------------|-----------------|--------------|----|
| 1         | 2           | 3               | 4            | 5  |
| सुनवा रोड | 9           | 0               | 13           | 05 |
|           | 11          | 0               | 05           | 10 |
|           | 10          | 0               | 00           | 50 |
|           | 22          | 0               | 08           | 80 |
|           | 23          | 0               | 16           | 00 |
|           | 34          | 0               | 64           | 00 |
|           | 33          | 0               | 13           | 20 |
|           | 47          | 0               | 09           | 00 |
|           | 40/3        | 0               | 03           | 30 |
|           | 42/1        | 0               | 11           | 45 |
|           | 45          | 0               | 12           | 40 |
|           | 44          | 0               | 10           | 40 |
|           | 43          | 0               | 00           | 02 |

| 1 | 2    | 3 | 4  | 5  |
|---|------|---|----|----|
|   | 22   | 0 | 08 | 80 |
|   | 23   | 0 | 16 | 00 |
|   | 34   | 0 | 04 | 00 |
|   | 33   | 0 | 13 | 20 |
|   | 47   | 0 | 09 | 00 |
|   | 40/3 | 0 | 03 | 30 |
|   | 42/1 | 0 | 11 | 45 |
|   | 45   | 0 | 12 | 40 |
|   | 44   | 0 | 10 | 40 |
|   | 43   | 0 | 00 | 02 |

[सं. ओ. 11027/146/88-ओएनजी - ३०३-III]

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 303.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Lanva GGS I to Lanva GGS III in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the said land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara, (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Lanva GG I to Kanva GGS III

State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Chanasm

| Village    | Survey No. | Hectare | Are | Centiare |
|------------|------------|---------|-----|----------|
| Multhuniya | 9          | 0       | 13  | 05       |
|            | 11         | 0       | 05  | 10       |
|            | 10         | 0       | 00  | 50       |
|            | 22         | 0       | 08  | 80       |
|            | 23         | 0       | 16  | 00       |
|            | 34         | 0       | 64  | 00       |
|            | 33         | 0       | 13  | 20       |
|            | 47         | 0       | 09  | 00       |
|            | 40/3       | 0       | 03  | 30       |
|            | 42/1       | 0       | 11  | 45       |
|            | 45         | 0       | 12  | 40       |
|            | 44         | 0       | 10  | 40       |
|            | 43         | 0       | 00  | 02       |

[N.O. 11027/146/88-ONGK-D.III]

का.आ. 304.—यह केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में चांदखेड़ा से रिलायन्स इंडस्ट्रीज तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन लेन तथा प्राकृतिक गैस ग्राहीय द्वारा विभाइ जानी चाहिए।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के लिए एततुपावड़ ग्रन्युच्चि में खण्ड मूमि में उपयोग का अधिकार अधित करना आवश्यक है।

यह केन्द्रीय सरकार और खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तमान के उक्त भूमि में लिनबढ़ कोई अविक्षित, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आवेदन, संधार प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग निर्माण और देवदाराल प्रधान, मकारपुरा रोड, बड़ीदा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आवेदन करने वाला हर अविक्षित विनिविष्टतः यह भी करने करेगा कि वह जाहाज है कि उसकी मुनवाई अविक्षित रूप से हो या किसी विधि अवधारी के मार्फत।

#### अनुसूची

चांदखेड़ा से रिलायन्स इंडस्ट्रीज तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला व तालुका—गांधीनगर

| गाँव         | लालक. सं. | हेक्टेएर | आर. | सेन्टीयर |
|--------------|-----------|----------|-----|----------|
| 1            | 2         | 3        | 4   | 5        |
| आडालग        | 1041      | 0        | 12  | 60       |
|              | 1042      | 0        | 01  | 40       |
|              | 1012      | 0        | 04  | 60       |
|              | 1044      | 0        | 36  | 60       |
|              | 1005      | 0        | 23  | 20       |
|              | 1004      | 0        | 24  | 80       |
|              | 998       | 0        | 09  | 25       |
|              | 997       | 0        | 47  | 20       |
|              | 1000      | 0        | 00  | 19       |
|              | 1087      | 0        | 38  | 40       |
|              | 1088      | 0        | 30  | 40       |
|              | 1094      | 0        | 15  | 04       |
| फार्टे ट्रैक |           | 0        | 03  | 00       |

[मे. आ. 11027/152/88 - ओपन जी - डी, - III]

S.O. 304.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Chand Kheda to Reliance Ind. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil and Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

214 GI/89-3

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the Pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal Practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Chandkheda to Reliance Ind.

State : Gujarat District & Taluka : Gandhinagar

| Village    | Block No. | Hectare | Are | Centare |
|------------|-----------|---------|-----|---------|
| Adalaj     | 1041      | 0       | 12  | 60      |
|            | 1042      | 0       | 01  | 40      |
|            | 1012      | 0       | 04  | 60      |
|            | 1044      | 0       | 36  | 60      |
|            | 1005      | 0       | 23  | 20      |
|            | 1004      | 0       | 24  | 80      |
|            | 998       | 0       | 09  | 25      |
|            | 997       | 0       | 47  | 20      |
|            | 1000      | 0       | 00  | 19      |
|            | 1087      | 0       | 38  | 40      |
|            | 1088      | 0       | 30  | 40      |
|            | 1094      | 0       | 15  | 04      |
| Cart track |           | 0       | 03  | 00      |

[No. O-11027/152/88-ONG-D. III]

नई विल्ली, 25 जनवरी, 1989

का.आ. 305.—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधान भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.आ. सं. 2829 तारीख 5-9-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अधित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यह संधार प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यह केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियमन किया है।

अत्र यह उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी आवाजों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारिंग को लिहित होगा।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्णय देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी आवाजों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस सारिंग को लिहित होगा।

प्रत्यक्षी

चांदखेड़ा से रिलायन्स हैंडस्ट्रीज तक पाइपलाइन बिछाने के लिए।  
राज्य - गुजरात जिला - व तालुका - गोविंगर

| गांव       | ब्लॉक नं. | श्रुहेकटेपर | आर. | सेम्टीयर |
|------------|-----------|-------------|-----|----------|
| 1          | 2         | 3           | 4   | 5        |
| मुठीया     | 287       | 0           | 09  | 00       |
|            | 286       | 0           | 09  | 70       |
|            | 285       | 0           | 10  | 70       |
|            | 295       | 0           | 10  | 80       |
|            | 296       | 0           | 12  | 10       |
| कार्टट्रैक | 0         | 01          | 40  |          |
| 6          | 0         | 02          | 40  |          |
| 5          | 0         | 06          | 30  |          |
| 4          | 0         | 03          | 20  |          |
| 30         | 0         | 01          | 75  |          |
| 2          | 0         | 04          | 25  |          |
| 31         | 0         | 06          | 00  |          |
| 32         | 0         | 04          | 70  |          |
| 33         | 0         | 06          | 70  |          |
| 37         | 0         | 13          | 70  |          |
| कार्टट्रैक | 0         | 00          | 70  |          |
| 96         | 0         | 35          | 80  |          |

[सं. ओ-11027/155/88-ओएनजी-डी-III]

के. विवेकानन्द, हिस्क प्रधिकारी

New Delhi, the 25th January, 1989

S.O. 305.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 2829 dated 5-9-88 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 3 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from encumbrances.

## SCHEDULE

## Pipeline from Chankheda to Reliance Industries

| Villag. | Block No.  | Hectare | Are | Centiare |
|---------|------------|---------|-----|----------|
| Muthiya | 287        | 0       | 09  | 00       |
|         | 286        | 0       | 09  | 70       |
|         | 285        | 0       | 10  | 70       |
|         | 295        | 0       | 10  | 80       |
|         | 296        | 0       | 12  | 10       |
|         | Cart Track | 0       | 01  | 40       |
|         | 6          | 0       | 02  | 40       |
|         | 5          | 0       | 06  | 30       |
|         | 4          | 0       | 03  | 20       |
|         | 30         | 0       | 01  | 75       |
|         | 2          | 0       | 04  | 25       |
|         | 31         | 0       | 06  | 00       |
|         | 32         | 0       | 04  | 70       |
|         | 23         | 0       | 06  | 70       |
|         | 37         | 0       | 13  | 70       |
|         | Cart track | 0       | 00  | 70       |
|         | 96         | 0       | 35  | 80       |

[No. O-11027/155/88-ONG-D.III]

K. VIVEKANAND, Desk Officer.

नई विल्सो, 25 जनवरी 1989

का. प्रा. 306.—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (मूर्मि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 का उपाय (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिकूचन का. प्रा. सं. 3294 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिकूचन से संबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट मूर्मियाँ के उपयोग के अधिकार का पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना अधिकार प्रदान कर दिया था।

और यह: सभी अधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपाय (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और यह: उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपायां (1) द्वारा प्रवर्तन शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस अधिकूचन में संबंध अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त मूर्मियाँ में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोग के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है;

और यह: उस धारा की उपायां (4) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त मूर्मि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सार्वत्रीय गैस प्राधिकरण द्वारा मैं भी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन का इस तारीख को निहित होगा।

अनुपूर्ख वाद अनुसूची

एच. बा. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद       | तहसील      | परवाना     | ग्राम  | गांव सं. क्षेत्रफल |       |
|------------|------------|------------|--------|--------------------|-------|
| 1          | 2          | 3          | 4      | 5                  | 6     |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | झिंजौर | 345                | 2-0-0 |

[सं. ओ-14016/117/85-जी दी]

New Delhi, the 25th January, 1989

S.O. 306.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3294 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

##### H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District    | Tahsil      | Pargana     | Village | Plot No. | Area<br>in<br>acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------------|
| 1           | 2           | 3           | 4       | 5        | 6                   |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Bijnor  | 345      | 2-0-0               |
|             |             |             |         |          |                     |

[No. O-14016/117/85-GP]

का. आ. 307.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सांघ-अनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन जैसे आवारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जाना चाहिए।

और यह जो अनुमति करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिलाने के लिए इसके भारी संबंध विवरणी में निर्धारित भूमि में प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शर्किती का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन जैसे आवारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

बिलाने कि उक्त मूलि में अपनी रुचि रखने वाला छोड़ भी व्यक्ति अधिकारी की जरूरत से 21 दिन के भीतर मूलियत पाइप लाइन बिलाने के विरोध में अपनी आपनी भक्ति भक्ति प्राधिकारी गैस प्रथांगनों आफ इंडिया लिमिटेड एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास थीप बिल्डिंग, 22 स्टेट रोड, लखनऊ-226019 उ. प्र. में दर्ज कर सकता है।

और ऐसी आपनी दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप में निर्दिष्ट करना होगा कि वह अकिञ्चित रूप से अथवा विधि अव्यायिक के माध्यम से अपना भन्न प्रस्तुत करना चाहता है।

#### अनुप्रकृत वाद सूची

एच. बी. जे. पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला     | तहसील    | परगना    | ग्राम   | नाटा से क्षेत्रफल |       |
|----------|----------|----------|---------|-------------------|-------|
| 1        | 2        | 3        | 4       | 5                 | 6     |
| युनानपाल | युनानपाल | युनानपाल | मलकापुर | 993               | .0350 |

[सं. ओ-14016/24/88-जी. पी.]

S.O. 307.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE

##### H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District | Tahsil | Pargana | Village  | Plot No. | Area<br>No. |
|----------|--------|---------|----------|----------|-------------|
| 1        | 2      | 3       | 4        | 5        | 6           |
| Buland   | Anoop  | Anoop   | Malkapur | 993      | .0350       |
| Shahr    | Shahar | Shahar  |          |          |             |

[No. O-14016/24/88-GP]

का. आ. 308.—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सांघ-अनिक हित में यह आवश्यक है कि बबराला से दिल्ली तक पेट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन जैसे आवारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिलाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिलाने के लिए इसके भारी संबंध विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप-खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंगा की घोषणा करती है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखते वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की सारीख से 21 विन के बीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपसि सक्षम प्राधिकारी गैस अधिकारी आफ हडिया लिमिटेड एवं डी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिलिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226010 ड.प्र. में दर्ज दरा देता है।

और ऐसा क्राप्ति दर्ज करते समय कि सीधे व्यक्तिको यह दिए रूप से लिहिए बना है गा. कि इह अद्वितीय रूप से अपवायिध व्यवसायिक के माध्यम से अपना सत प्रस्तुत बनाना चाहता है।

अनुपूरक याद सूची

एच.बी.जे. गेस, पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जिला   | तहसील  | परगना  | ग्राम                    | गाटा   | क्षेत्रफल        |
|--------|--------|--------|--------------------------|--------|------------------|
| 1      | 2      | 3      | 4                        | 5      | 6                |
| मुम्बई | भूपशहर | भूपशहर | बेगमपुर उर्फ<br>जैरामपुर | 4<br>5 | . 1070<br>. 0130 |
|        |        |        |                          | 2      | . 1200 टा<br>या  |
|        |        |        |                          |        | 0-9-10<br>वीष्णु |

[सं. ओ-14016/26/88-जी पी]

S.O. 308.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babraja to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

**SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE**

## H.B.I. GAS PIPELINE PROJECT

| District         | Tahsil          | Pargana         | Village                      | Plot No. | Area                             |
|------------------|-----------------|-----------------|------------------------------|----------|----------------------------------|
| 1                | 2               | 3               | 4                            | 5        | 6                                |
| Buland<br>Shahar | Anoop<br>Shahar | Anoop<br>Shahar | Begampur<br>urf<br>Jairampur | 4<br>5   | .1070<br>.0130                   |
|                  |                 |                 |                              | 2        | .1200                            |
|                  |                 |                 |                              |          | Hectare<br>or<br>0-9-10<br>Bigha |

[No. O-14016/26/88-GP]

का.आ. 309 :—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बवाराला से दिल्ली तक पैट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइपलाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइपलाइन गैस अग्निशंख आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा विभाइज़ जानी आहिए।

और यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिछाने के लिए, इसके साथ संलग्न घिवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रहृण करना आवश्यक है।

अतः पेट्रोलियम एवं जलनिक पाइपलाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50 के अध्येता 3 के उपाध्यक्ष (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केवल सरकार एवं द्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रहण करने की मिश्ना की घोषणा करती है।

बासर्ट कि उक्त भूमि में अपनी एवं रखने वाला कोई भी व्यक्ति प्रधिसूचना की सारीज से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के विरोध में अपनी आपति सक्षम प्राधिकारी गैस अभारिटी आफ दिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ 226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज कराते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि व्यक्तायिक के माध्यम से प्रपना भल प्रस्तुत करना चाहता है।

अनपुरक बाद अनसूची

एच.बी.जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद       | तहसील | परगना | ग्राम   | गाठा सं.         | क्षेत्रफल/<br>हेक्टर/एक      |   |
|------------|-------|-------|---------|------------------|------------------------------|---|
| 1          | 2     | 3     | 4       | 5                | 6                            | 7 |
| ગાંધીયાબાદ | વાવરી | દાવરી | સાવોપુર | 18<br>125<br>123 | 0-0-800<br>001-50<br>0-0-060 |   |
|            |       |       |         | 3                | 0-0-810                      |   |

[सं. ओ-14016/49/88-जी पी]

S.O. 309.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babraha to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

## H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District  | Tehsil | Pargana | Village  | Plot No.         | Area<br>in<br>Hectare<br>/Bigha           |
|-----------|--------|---------|----------|------------------|---|
| 1         | 2      | 3       | 4        | 5                | 6   |
| Ghaziabad | Dadri  | Dadri   | Sadhupur | 18<br>125<br>123 | 0.0600<br>0.0150<br>0.0060<br>3<br>0.0810 |

[No. O-14016/49/88-GP]

का. आ. 310:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बवराला से बिल्ही तक पैट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन जैसे अधारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा कियाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुमति करती है कि ऐसी पाइप लाइन विछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

प्रत: पैट्रोलियम एंड बनिंग पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बासें कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सदाम प्राधिकारी जैसे अधारिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप लिंगम, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष रूप से निविष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत रूप से अथवा विधि अवधारणाओं के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुप्रूपक वाद अनुमती

## एच.बी.जे. जैसे पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जग्गावाद  | तहसील | परगना | ग्राम   | गाड़ा मं. | ओवरफल/<br>हेक्टर/एकड़ |       |
|-----------|-------|-------|---------|-----------|-----------------------|-------|
|           |       |       |         | चक नं.    | पुरानी बीघा में       | मंडपा |
| 1         | 2     | 3     | 4       | 5         | 6                     | 7     |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | मलारपुर | 57        | 0.0280                |       |
|           |       |       | कला     | 25        | 0.0630                |       |
|           |       |       |         | 2         | 0.0910                |       |

[सं. ओ-14016/51/88-जी.पी.]

S.O. 310.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

## H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District  | Tehsil | Pargana | Village           | Plot No. | Area<br>in<br>Hectare<br>/Bigha |
|-----------|--------|---------|-------------------|----------|---------------------------------|
| 1         | 2      | 3       | 4                 | 5        | 6                               |
| Ghaziabad | Dadri  | Dadri   | Salarpur<br>Kalan | 57<br>25 | 0.0280<br>0.0630                |
|           |        |         |                   | 2        | 0.0910                          |

[No. O-14016/51/88-GP]

का. आ. 311:—जबकि केन्द्र सरकार यह अनुमति करती है कि सार्वजनिक हित में यह आवश्यक है कि बवराला से बिल्ही तक पैट्रोलियम पदार्थ लाने के लिए एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन जैसे अधारिटी आफ इंडिया लिमिटेड द्वारा कियाई जानी चाहिए।

और यह भी अनुमति करती है कि ऐसी पाइप लाइन विछाने के लिए इसके साथ संलग्न विवरणी में निर्धारित भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करना आवश्यक है।

प्रत: पैट्रोलियम एंड बनिंग पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उस पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है।

बासें कि उक्त भूमि में अपनी रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन विछाने के विरोध में अपनी आपत्ति सदाम प्राधिकारी जैसे अधारिटी आफ इंडिया लिमिटेड एच.बी.जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप लिंगम, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ.प्र. में दर्ज करा सकता है।

और ऐसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष स्पृष्ट से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत स्पृष्ट से अथवा विधि अवधारणा के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुप्रक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. रैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद      | तहसील | परगना | ग्राम | गाडा सं. | धोत्रफल/हैक्टर/एकड़ | चकनं. | पुगानी बोधा में संभ्या |  |
|-----------|-------|-------|-------|----------|---------------------|-------|------------------------|--|
| 1         | 2     | 3     | 4     | 5        | 6                   | 7     |                        |  |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | महावर | 62       | 0-5-0               |       |                        |  |

[सं. ओ.-14016/57/88-जी. पा]

S.O. 311.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

##### H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District  | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare /Bigha |  |
|-----------|--------|---------|---------|----------|------------------------|--|
| 1         | 2      | 3       | 4       | 5        | 6                      |  |
| Ghaziabad | Dadri  | Dadri   | Mahawar | 62       | 0.5-0                  |  |

[No. O-14016/57/88-GP]

का. आ. 312—जमकि केन्द्र मरकार यह अनुभव करती है कि सार्वजनिक हिस्से में यह आवश्यक है कि ब्रह्मगति से दिल्ली तक पेट्रो-लियम पदार्थ लाने के लिए एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना का विस्तार किया जाए। पाइप लाइन रैम अपार्टमेंटी आफ्टर्लिमिटेड द्वारा बिईएस जाती चाहिए;

ओर यह भी अनुभव करती है कि ऐसी पाइप लाइन बिईएस के लिए इसके साथ संबंधित विभिन्न भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार प्रदूषण करना आवश्यक है;

अतः पेट्रोलियम एवं खनिज पाइप लाइन (भूमि पर प्रयोक्ता का अधिकार) ग्रहण अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के खण्ड 3 के उप खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा उम पर प्रयोक्ता का अधिकार ग्रहण करने की मंशा की घोषणा करती है :

बिसर्ते कि उक्त भूमि में अपनी ऊची रखने आला कोई भी व्यक्ति अधिसूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर भूमिगत पाइप लाइन बिईएस के विरोध में अपनी आपत्ति सक्षम प्राधिकारी रैम अपार्टमेंटी आफ्टर्लिमिटेड एच. बी. जे. पाइप लाइन परियोजना, विकास दीप बिल्डिंग, 22 स्टेशन रोड, लखनऊ-226019 उ. प्र. में दर्ज कर सकता है।

श्री एसी आपत्ति दर्ज करते समय किसी भी व्यक्ति को यह विशेष स्पृष्ट से निर्दिष्ट करना होगा कि वह व्यक्तिगत स्पृष्ट से अथवा विधि अवधारणा के माध्यम से अपना मत प्रस्तुत करना चाहता है।

अनुप्रक वाद अनुसूची

एच. बी. जे. रैम पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद      | तहसील | परगना | ग्राम   | गाडा सं. | धोत्रफल/हैक्टर/एकड़ बोधा में |
|-----------|-------|-------|---------|----------|------------------------------|
| 1         | 2     | 3     | 4       | 5        | 6                            |
| गाजियाबाद | दादरी | दादरी | रामोली  | 285      | 0-0-10                       |
|           |       |       | लतीफपुर | 301      | 0-0-15                       |
|           |       |       |         | 369      | 0-1-15                       |
|           |       |       |         | 3        | 0-3-0                        |

[सं. ओ.-14016/62/88-जी. पा.]

S.O. 312.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from babrala to Delhi an extension of HBJ Pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such Pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. HBJ Project, Vikasdeep Building, 22-Station Road, Lucknow-226019, U.P.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

## H.B.J. GAS PIPELINE PROJECT

| District  | Tehsil | Pargana | Village | Plot No. | Area in Hectare/<br>Bigha |
|-----------|--------|---------|---------|----------|---------------------------|
| 1         | 2      | 3       | 4       | 5        | 6                         |
| Ghaziabad | Dadri  | Ranaoli | 285     | 0-0-10   |                           |
|           |        |         | 301     | 0-0-15   |                           |
|           |        |         | 369     | 0-1-15   |                           |
|           |        |         | 3       | 0-3-0    |                           |

[No. O-14016/62/88-GP]

का. आ. 313—यह: पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 3272/5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का आपना आशय घोषित कर दिया था;

और यह: गठन प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना से रांगन अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित किया जाता है;

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय रैम प्राधिकरण ने में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा;

अनुप्राक पाईप लाईन अनुसूची

एच. पी. जे. रैम पाईप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद      | तहसील     | परगना     | ग्राम  | गाडा सं. | क्षेत्रफल |
|-----------|-----------|-----------|--------|----------|-----------|
| 1         | 2         | 3         | 4      | 5        | 6         |
| कानपुरशहर | कानपुरशहर | कानपुरशहर | परसोनी | 338      | 0-11-0    |
|           |           |           |        | 356      | 0-2-0     |
|           |           |           |        | 202      | 0-1-0     |
|           |           |           | 3      | 0-14-0   |           |

[सं. ओ. - 14016 / 6 / 84-झी फी]

S.O. 313.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3272 dated 5-11-88

under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline,

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)  
H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Tehsil | Pargana | Village  | Plot No. | Area in acres |
|----------|--------|---------|----------|----------|---------------|
| 1        | 2      | 3       | 4        | 5        | 6             |
| Kanpur   | Kanpur | Kanpur  | Parsauli | 338      | 0-11-0        |
|          |        |         | City     | 356      | 0-2-0         |
|          |        |         | City     | 202      | 0-1-0         |
|          |        |         | 3        | 0-14-0   |               |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 314—यह पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राप्तन) प्रधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. तारीख 3273/5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाईप लाईनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का आपना आशय घोषित कर दिया था;

और यह: संथाम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और आगे यह: केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है;

अब अतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए एवं द्वारा अर्जित किया जाता है;

और आगे उम धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय रैम प्राधिकरण ने में सभी वाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख की निहित होगा।

अनुपूरक वाद अनुसूची  
एच.बी.जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद       | तहसील      | परगना      | ग्राम  | गाडा नं. | धेत्रफल    |
|------------|------------|------------|--------|----------|------------|
| 1          | 2          | 3          | 4      | 5        | 6          |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | सनिगढ़ | 732      | 0-2-0      |
|            |            |            |        | 730      | 0-2-0      |
|            |            |            |        | 169      | 0-0-0      |
|            |            |            |        | 188      | 0-1-10     |
|            |            |            |        | 186      | 0-2-0      |
|            |            |            |        | 267      | 0-12-0     |
|            |            |            |        | 265      | 0-3-0      |
|            |            |            |        | 271      | 1-10-0     |
|            |            |            |        | 252      | 0-2-0      |
|            |            |            |        | 239      | 0-12-0     |
|            |            |            |        | 248      | 0-10-0     |
|            |            |            |        | 240      | 0-5-0      |
|            |            |            |        | 223      | 0-5-0      |
|            |            |            |        | 249      | 0-5-0      |
|            |            |            |        |          | 0-3-0      |
|            |            |            |        |          | 14 4-11-10 |

[सं. ओ.-14016 / 6 / 84 -वी पी]

S.O. 314.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3273 dt. 5-11-88 under sub-section (1) of Section of the Petroleum and Natural Gas and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Lnd) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

SUPPLEMENTARY CASE SCHEDULE  
H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District    | Tahsil      | Pargana     | Village  | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|----------|----------|---------------|
| 1           | 2           | 3           | 4        | 5        | 6             |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Sanigaon | 732      | 0-2-0         |
|             |             |             |          | 730      | 0-2-0         |
|             |             |             |          | 169      | 0-2-0         |
|             |             |             |          | 188      | 0-1-10        |
|             |             |             |          | 186      | 0-2-0         |
|             |             |             |          | 267      | 0-12-0        |
|             |             |             |          | 265      | 0-3-0         |
|             |             |             |          | 271      | 1-10-0        |
|             |             |             |          | 252      | 0-2-0         |
|             |             |             |          | 239      | 0-12-0        |
|             |             |             |          | 248      | 0-10-0        |
|             |             |             |          | 240      | 0-5-0         |
|             |             |             |          | 223      | 0-5-0         |
|             |             |             |          | 249      | 0-3-0         |
|             |             |             |          |          | 14 4-11-10    |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 315—यह पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्बन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. स. तारीख 3274/ 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाईनों को विछाने के लिए अर्जित करने का अपना आवाय घोषित कर दिया था ;

और यह : सभी प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और आगे यह : केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

अब यह : उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाईन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है ;

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग वारते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के आवाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा ।

अनुपूरक वाद अनुसूची  
एच.बी.जे. गैस पाइप लाईन प्रोजेक्ट

| जनपद       | तहसील      | परगना      | ग्राम   | गाडा सं. | धेत्रफल  |
|------------|------------|------------|---------|----------|----------|
| 1          | 2          | 3          | 4       | 5        | 6        |
| कानपुर शहर | कानपुर शहर | कानपुर शहर | ओरियारा | 766      | 1-10-0   |
|            |            |            |         | 765      | 0-6-0    |
|            |            |            |         |          | 2 1-16-0 |

[सं. ओ.-14016 / 6 / 84 भी पी]

S.O. 315.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 32/4 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE) H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District    | Tahsil      | Pargana     | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 1           | 2           | 3           | 4       | 5        | 6             |
| Kanpur City | Kanpur City | Kanpur City | Oriyara | 766      | 1-10-0        |
|             |             |             |         | 765      | 0-6-0         |
|             |             |             |         | 2        | 1-16-0        |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. 316.—यतः पेट्रोलियम श्रीर विभाग पाल्य साहन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 वा. 50) की धारा 3 की उपकारा (1) के प्रमाण भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस प्रबंधसूचना का. आ. स. 3275 तारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रबंधसूचना से संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाल्य साहनों को विद्युत से लिए अर्जित करने का भास्ता प्राप्त घोषित कर दिया था;

श्रीर यतः सलम प्राविकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपकारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है,

श्रीर आरो यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के बाबत इस प्रबंधसूचना से संबंधित अनुसूची में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है;

अब यतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपकारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस प्रबंधसूचना में संलग्न अनुसूची में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाल्य साहनों के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाना है;

श्रीर आरो उस धारा की उपकारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय 'सरकार' नियंत्रण देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बावजूद भारतीय

वैस प्राविकरण लि. में सभी भास्ताओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

मनुप्रक भाव अनुसूची

एच. बी. जे. वैस पाल्य व्यापक प्रोजेक्ट

| जनपद   | तहसील  | परगना  | प्राम | गांठ सं. क्षेत्रफल |              |
|--------|--------|--------|-------|--------------------|--------------|
| 1      | 2      | 3      | 4     | 5                  | 6            |
| कानपुर | कानपुर | कानपुर | नगरां | 245                | 0-3-0        |
| शहर    | शहर    | शहर    | 63मि. | 0-12-0             | 542/2 0-10-0 |
|        |        |        |       | 403                | 0-8-0        |
|        |        |        |       | 407                | 0-4-0        |
|        |        |        |       | न.सी 561           | 0-1-0        |
|        |        |        |       |                    | 6 1-18-0     |

[ई. आ. 14016/6/84—जी धी]

S.O. 316.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3275 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum & Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

#### H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District    | Tahsil      | Pargana     | Village | Plot No. | Area in acres |
|-------------|-------------|-------------|---------|----------|---------------|
| 1           | 2           | 3           | 4       | 5        | 6             |
| Kanput City | Kanput City | Kanput City |         |          | 245           |
|             |             |             |         |          | 63 m          |
|             |             |             |         |          | 542/2         |
|             |             |             |         |          | 493           |
|             |             |             |         |          | 407           |
|             |             |             |         |          | Nali 561      |
|             |             |             |         |          | 6 1-18-0      |

[No. O-14016/6/84-GP]

का. आ. सं. 317.—यतः पेट्रोलियम और खनिंग पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का प्राईवेट) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 के उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रो-लियम एवं प्राकृतिक गैस अधिसूचना का. आ. सं. 3266 सारीख 5-11-88 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुमती में विनियिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के लिए अनियत करने का प्रपना आशय घोषित कर दिया था।

और, यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और, प्राप्त, केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करते के पश्चात इस अधिसूचना से संलग्न अनुमती में विनियिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनियत करने का विनियय किया है।

अब, यतः, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुमती में विनियिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनियत किया जाता है।

और, प्राप्त, उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त अधिनियमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय रूप से प्राधिकरण विम. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में प्रयोग के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

#### अनुपुरक काव अनुमती

एव. बी. जे. वैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

| जनपद   | क्षेत्रीय | परगना  | ग्राम   | गांडा सं. | क्षेत्रफल |
|--------|-----------|--------|---------|-----------|-----------|
| कानपुर | कानपुर    | कानपुर | सेनपुरख | 1259      | 0-1-0     |
| शहर    | शहर       | शहर    | पारा    |           |           |

[सं. आ. 14016/6/84—जी. पी.]  
राकेश कक्कड़, उप सचिव

S.O. 317.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 3266 dated 5-11-88 under sub-section (1) of section of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for purpose of laying pipeline;

And, whereas, the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further, in exercise of power conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration the Gas Authority of India Limited free from encumbrances.

#### SUPPLEMENTARY CASE (SCHEDULE)

#### H.B.J. GAS PIPE LINE PROJECT

| District | Taluk          | Pargana        | Village           | Plot No. | Acres<br>in area |
|----------|----------------|----------------|-------------------|----------|------------------|
| 1        | 2              | 3              | 4                 | 5        | 6                |
| Kanpur   | Kanpu-<br>City | Kanpur<br>City | S. npu-ab<br>para | 1259     | 0-1-0            |

[N. O-14016/6/84-GP]

RAKESH KAKKAR, Dy. S.cy.

#### विलसी विकास प्राधिकरण

(मुख्य प्रांगण अधिकारी)

सार्वजनिक मूद्दा

मई दिनों, 11 फरारी, 1989

जा. आ. 318.—हेतुवाय सरकार का दिल्ली को मुख्य योजना/केन्द्रीय विकास योजना में निम्नविवित संशोधन करने का प्रस्ताव है, जिसे असतोषी जानकारी के लिए एतद्वारा प्रस्तावित किया जाता है। प्रस्तावित संशोधन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई प्राप्ति हो वहाँ सुझाव देना हो तो वह अपनी प्राप्ति या सुझाव निवार रूप में इस सूचना के बारी होने की विधि से दोनों दिवाली को प्राप्ति के माध्यम से दर्शाया जाना चाहिए। यदि विकास प्राधिकरण, विकास सदन, “बी” बाहु, आई. एन. ए. को भेज दें। प्राप्ति धरने वाला सुझाव देने वाले व्यक्ति को अपना नाम और पता भी अवश्य देता चाहिए।

#### संशोधन:

“उत्तर में 24 मीटर और लंबीय भारी, पूर्व में 18 मीटर और लंबात्ति वार्षी और दक्षिण तथा पश्चिम में जिला पार्की (गुरुद्वारा हरित बेंक) से विरोद्ध हुए लगाना 1. 2 ऐसिंग (3 एकड़) लंबा का भूमि उपयोग “मोरेंजतात्सक उपयोग” (जिला पार्की) से 30 के एक. ए. धार. गढ़ित “सांस्कृतिक उपयोग” (धार्मिक) से बदलने का प्रस्ताव है।”

2. उत्तराधिकारी संशोधन को दर्शाने वाला नस्ता निरोधन के निए उपर्युक्त धार्मिक के अन्दर सभी कार्य विभागों में उपनियोग, मुख्य योजना अनुपाय, विकास सीमार, छठी मन्दिर, इम्प्रेस्ट एटेट, नई दिल्ली के कार्यालय में उपलब्ध होगा।

[म. एक. 20(18)/87-न. वी.]

जनक जूजा, मंत्री

#### DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

(Master Plan Section)

#### PUBLIC NOTICE

New Delhi, the 11th February, 1989

S.O. 318.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan/Zonal Development Plan for Delhi, is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the Secretary, Delhi Development Authority, Vikas Sadan, 'B' Block, I.N.A., New Delhi, within a period of thirty days from the date of issue of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and address.

## MODIFICATION :

1. The land use of an area measuring about 1.2 hect. (3 acres) bounded by 24 mtrs. wide Zonal Road on the North, 18 mtrs. wide proposed Road on the East and District Parks (Master Plan Green) on the South and West is proposed to be changed from 'Recreational use' (District Parks) to 'Institutional use' (Religious) with a FAR of 30".

2. The plan indicating the proposed modification will be available for inspection at the office of the Deputy Director, Master Plan Section, Vikas Minar, 6th Floor, I.P. Estate, New Delhi on all working days within the period referred to above.

[No. F. 20(18)/87-MP]  
JANAK JUNEJA, Secy.

## श्रम संचालन

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1989

का. आ 319—प्रौद्योगिक विवाद प्रधिकारण, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के मनुस्करण में, केन्द्रीय सरकार इंटरनेशनल एयरपोर्ट एथारिटी भास्क इंडिया, मद्रास एयरपोर्ट के प्रबन्धनाल से सम्बद्ध नियोगकारी और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में प्रौद्योगिक भविकरण, मद्रास के पक्षाट को प्रकाशित करती है, को केन्द्रीय सरकार को 13-1-89 को प्राप्त हुआ था।

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th January, 1989

S.O. 319.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of International Airport Authority of India, Madras Airport and their workmen which was received by the Central Government on the 13-1-89.

## ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
TAMIL NADU, MADRAS

Monday, the 17th day of October, 1988.

Industrial Dispute No. 86 of 1987

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 19(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras.)

## BETWEEN

Thirumathi P. Kasturi, No. 9, Ashokan Street, Palayamnagar, Madras.

## AND

The General Manager, International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras.

## REFERENCE :

Order No. L-11012/1/87-D. II(B), dated 31-7-1987 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute advanced today for final hearing upon perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing of Thiruvalurgal P. R. C. Ponnashagan and B.T. Arasu, Advocates appearing for the workman and of Thiruvalargal A. N. Viswanatha Rao and N. Krishnamoorthy, Advocates for the Management and the workman having filed an application to withdraw the dispute, this Tribunal passed the following Award.

## AWARD

This dispute between the workman and the Management of International Airport Authority of India, Madras Airport, Madras arises out of a reference under Section 19(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its order No. L-11012/1/87-D. II(B), dated 31-7-1987 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the management of international Airport Authority of India, Madras Airport, Madras in terminating the workman Smt. P. Kasturi, Sweepress, from service w.e.f. 23-8-85 is legal and justified? If not, to what relief the concerned workman is entitled to?"

2. Parties were served with summons. Both parties were represented by counsel.

3. Petitioner-worker filed her claim statement on 18-8-1987. The Respondent-Management filed their counter statement denying the allegations made in the claim statement.

4. Petitioner-worker was examined as W.W.1 in part before this Tribunal. Exs. W.1 to W.13 were marked on behalf of the Petitioner-worker. For continuation of the evidence of W.W.1, the dispute was posted to 31-10-1988.

5. On 17-10-1988, the counsel for the Petitioner-worker filed before this Tribunal, an application (M.A. No. 253/88) praying to permit the Petitioner to withdraw the dispute and also advance the dispute from 31-10-1988 to today.

6. As per order in Misc. Appl. No. 253/1988 the dispute advanced today and this dispute is dismissed as withdrawn as per petition filed by the Claimant-Petitioner. Award is passed accordingly.

Dated, this 17th day of October, 1988.

Sd/-

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

## WITNESS EXAMINED

For workman : W.W.1—Smt. P. Kasturi.

For Management : None

## DOCUMENTS MARKED

For workman :

Ex.W-1/13-1-87—Failure of conciliation report (xerox copy).

W-2/30-4-87—Order in W.P. No. 4518/1987 (xerox copy).

W-3/27-1-85—Medical Certificate (xerox copy).

W-4/25-2-86—Fitness Certificate (xerox copy).

W-5/12-6-86—Lawyer notice by the Petitioner to the Management.

W-6/ -6-86—Acknowledgement by the Management.

W-7/30-6-86—Lawyer notice to the Management and its superiors.

W-8/ 1-7-86—Reply by the Management to Lawyer notice.

W-9/ 5-8-86—Reply by the Management to the Lawyer Notice.

W-10/17-1-87—Lawyer letter to the Management.

W-11/1-2-87—Petitioner's lawyer letter to the Secretary, Government of India.

W-12/ -2-87—Acknowledgement by the Secretary.

W-13/25-7-88—Lawyer letter by the Petitioner to the Management.

For Management : Nil

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal

[No. L-11012/1/87-D. II(B)/III(B)]

का. प्रा. 320.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं प्राई. वर्क्स क्वारी प्रा. नि., मोतीपुरा, तहसील मोदासा, जिला साबरकान्हा के प्रबन्धनस्थ से मम्बद्द नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट श्रीयोगिक विवाद में श्रीयोगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पाछांट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 320.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.I. Works Quarry (P) Limited, Motipura, Teh Modasa, District Sabarkantha and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-1-89.

#### ANNEXURE

BEFORE SHRI C. G. RATHOD, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL, AHMEDABAD.  
Reference (ITC) No. 33 of 1987.

#### ADJUDICATION :

#### BETWEEN

S. I. Works Quarry Pvt. Ltd. Motipura, Modasa,  
Dist. Sabarkantha.

#### AND

The Workmen employed under it.

In the matter whether the action of the management of S.I. Work Quarry Private Limited Motipura is justified in terminating the services of Shri Guruvachan J. Raval ? If not, what relief the workman is entitled to ?

#### AWARD

By an order No. L-29012/16/87-D. III(B) dated 3-6-1987, the Desk Officer, Government of India, Ministry of Labour, New Delhi in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the I.D. Act, 1947, has referred the dispute between the management of S. I. Works Quarry Pvt. Ltd., Motipura, Modasa, Dist. Sabarkantha and its workmen to the Presiding Officer, Industrial Tribunal, Ahmedabad and ultimately it was referred to me. The dispute referred to is as under :

"Whether the action of the management of S. I. Works Quarry Pvt. Ltd. Motipura is justified in terminating the services of Shri Guruvachan J. Raval ? If not, what relief the workman is entitled to ?"

2. The concerned workman has filed the statement of claim at Ex. 2 and it is not necessary to refer the averments made therein in detail at this stage in as much as the parties have settled the dispute. The Management has filed its written statement to the aforesaid statement of claim at Ex. 9. It is also not necessary to refer to the contentions raised therein.

3. It is sufficient to state that before the matter could be heard and decided on merits, the parties submitted a Purshis at Ex. 97 settling the entire disputes. This compromise was signed by the concerned workman and his Advocate, Mr. H. R. Raval. It is also signed by the Administrative Officer of the Management and his Advocate, Mr. V. Premchand. They have admitted the terms of the compromise and the terms appear to be fair and reasonable in the circumstances of the case. In the circumstances, an award is passed in terms of the settlement and hence the order :

#### ORDER

The award in terms of the settlement is at Ex. 97. The Ex. 97 shall be annexed with the award. No order as to costs.

Sd/-  
G. J. DAVE, Secretary

C. G. RATHOD, Presiding Officer  
Ahmedabad, 7th January, 1989.

[No. L-29012/16/87-D. III(B)]

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1989

का. प्रा. 321.—श्रीयोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एवं प्राई. वर्क्स क्वारी प्रा. नि., मोतीपुरा, तहसील मोदासा, जिला साबरकान्हा में निर्विष्ट श्रीयोगिक विवाद में श्रीयोगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पाछांट को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd January, 1989

S.O. 321.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Air India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Govt. on the 18th January, 1989.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, AT BOMBAY

Reference No. CGIT-27 of 1986

#### PARTIES :

Employers in relation to the Management of Air-India, Bombay.

AND

Their Workmen

#### APPEARANCES :

For the Management.—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen.—Mr. Bukhari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines. STATE : MAHARASHTRA.

Bombay, dated the 23rd day of June, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section 1 and sub-section (2-A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the management of Air-India at Bombay is not granting the interest of Provident Fund deducted from the wages of the workmen concerned from the 'on account' payment in terms of Employers' letter No. IR/74-74(d) 2698 dated 17th Sept., 1979 from 1-4-1978 onwards is justified? If not, what relief the workmen concerned are entitled to?"

2. The Dispute relates to the non-payment of interest on proportionate deductions on account of provident fund from the 'on account' payments made during the period from 1-4-1978 to 13-9-1984, as per the terms of the settlement dated 17-2-1979, arrived at between Messers Air-India and Air-India Employees Guild. The dispute was arised by Air-India Employees Guild (which will be hereinafter referred to as 'the Guild'). According to the Guild, the corporation as and when it released the arrears of 'On account payment' as per the terms of settlement dated 17-12-79, deducted therefrom provident fund at the rate of 8-1/3 percent as per the Air-India Employees Provident Fund Regulations 1954. Similarly, when the 'On account payment' was made on monthly basis provident fund was deducted from such 'On account payment' also.

3. The simple defence of the management is that no deductions were made on account of Provident Fund from the 'On account payments' and hence there was no question of paying any interest on such deductions. According to the corporation, the staff notice bearing no IR/74-74(D)/1 2698 dated September, 17, 1979, issued by the management categorically stated that the rates of 'On account payments' had been arrived at after making necessary provisional adjustments towards Provident Fund and quarter licence fee, in case of staff who had been provided with accommodation by the Corporation, and that Guild's reliance on management's letter of even number and even date is misconceived and untenable.

4. The management of Air-India had entered into a settlement with Air-India Corporation Employees Union, (which will be hereinafter referred to as 'Union'). This settlement was to expire on 31-3-1978. The Union, however, terminated the settlement on 1-2-1978, and gave a fresh Charter of Demands on 31-3-1978. The Union amended the Charter of Demands on 15-4-1978. The demands were not accepted by the management. The matter was therefore taken in conciliation. Different sets of demands were made by the Guild and the Union. During the conciliation proceedings the management offered a package deal to the Union as well as to the Guild. The Union accepted the offer and entered into a settlement with the management. This settlement, which was signed by the management on 2-2-1979, was to be effective from 1-4-1978 to 31-9-1981. It contemplated an 'On account payment' pending sanction of the Central Government. The Guild also followed suit and entered into separate settlement on 17-2-1979. It was agreed that the Charter of Demands given by the Guild were to be referred to the National Industrial Tribunal for adjudication and pending such adjudication 'On account payment' was to be made with effect from 1-4-1978 to 31-9-1981 as contemplated by the settlement dated 2-2-1979 between the Union and the Management. Accordingly, the matter was referred to this Tribunal for adjudication. The Tribunal passed an Award on 21-4-1983, in terms of the settlement dated 2-2-1979, inter alia holding that the said settlement was fair. This Award was passed in reference No. NTB-1 of 1980.

5. After the settlement dated 2-2-1979, between the Union and the Management, the Director of Personnel and Industrial Relations put up a Staff Notice dated 5-2-1979, declaring the decision of the Management, to make 'On account payment' pending government approval of the settlement. The decision of the Management is mentioned in para 6 of the Staff Notice which reads as follows :—

"Pending Government approval of the settlements, the Management of Air-India and Indian Airlines have decided to make 'On account payment' in order to ensure that the majority of the employees whom the settlements cover get in hand without delay some of the benefits of the Settlements. Staff Notice No. 26/78-79 of February 3, 1979, has already been issued in this connection and another notification will be issued shortly to indicate the date of payment. It is expected that the payment would be made within the next week."

6. As mentioned above, the Guild entered into a separate settlement on February 17, 1979. The terms of this settlement in respect of 'On account payment' are contained in clauses (i) to (iv) of the said settlement. They are as follows :—

#### "Terms of Settlement" :

(i) The management has offered to make 'On account Payment' on the following basis for the period from 1-4-1978 to 31-12-1978.

#### Non-Technical Category :

|                       |           |          |
|-----------------------|-----------|----------|
| 1. Unskilled grades   | Rs. 70×9  | Rs. 630. |
| 2. Clerical grades    | Rs. 90×9  | Rs. 810. |
| 3. Supervisory grades | Rs. 110×9 | Rs. 990. |

#### Technical Categories :

|  |          |          |
|--|----------|----------|
| 4. In Transport Section,<br>Civil Works & Properties,<br>Department,<br>Stores Department &<br>Communications Division | Rs. 90×9 | Rs. 810. |
|--|----------|----------|

#### Supervisory Categories :

- 5. In the Technical sections mentioned above, Rs. 110×9 Rs. 990.
- (ii) For the period from 1-1-1979 to 31-3-1979, a lumpsum payment to the above categories is proposed to be made on the above basis. The Management proposes to continue to pay 'On account' payment from 1-4-1979 to the date of implementation of the offer as per Annexure 'A' at the monthly rates mentioned above.
- (iii) From the date the offer as per Annexure 'A' is implemented, the Management proposes to make 'On account' payment at monthly rates which will approximate closer to the actual difference in emoluments which will accrue on implementation of the offer.
- (iv) The Guild has agreed to accept the 'On account' payment on the basis indicated above and the productivity points mentioned in the offer of the Management as per Annexure 'A' and the Charter of the Demands of the Guild as per Annexure 'B' it is also agreed that the above 'On account' payment will be adjusted against the accruals as a result of the Award of the National Industrial Tribunal referred to hereunder."

7. It appears that some discussions took place between the Guild and the Management about the deductions on account of Provident Fund from the 'On account payment' made to the categories represented by the Guild. In furtherance to this discussion the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations wrote a letter to the Secretary, Air-India Employees Guild on September 17, 1979. As this letter is sought to be interpreted by both the parties in their own way, I propose to fully quote the letter :—

"Dear Sir,

#### Sub.—Charter of Demands.

This had reference to the discussion you had with us regarding the deduction from the 'On account payment' made to the categories represented by your Union, effective 1st September, 1979.

2. As explained to you in the course of our discussion today the rates of 'On account payment' have been revised effective 1-9-1979 in terms of clause (iii) of the Memorandum of Settlement dated February 17, 1979, between Air-India and Air-India Employees' Guild. The said rates have been arrived at after making the necessary provisional adjustments towards Provident Fund and the Quarter Licence Fee in case of Staff who have been provided accommodation by the Corporation. We attach herewith an example showing the calculation of revised 'On account payment' on the above lines. Please note that we have implemented the revised 'On account payment' through September, 1979 payrolls.

Yours faithfully,  
Air-India  
Sd/-  
(S. K. NANDA)

Dy. Director of Personnel  
& Industrial Relations."

8. By the above mentioned letter, the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations informed the Secretary of the Guild that the revised rates of 'On account payment' effective from 1-9-1979 were arrived at after making necessary adjustments towards Provident Fund and in order to explain how the calculations were made the Deputy Director attached a statement containing an example showing revised calculations of the 'On account payment'. It is as follows :—

"Example showing revised calculations of 'On account' payment at monthly rates approximately closer to the actual on proposed revision :

|  |  |          |
|--|--|----------|
| Category of employee                                 | Traffic Assistant.                       |          |
| Grade  | : Rs. 230-640 (old) 405-910<br>(Revised) |          |
| (A) (Not provided with Corporation's accommodation). |  |          |
|  | Existing                                 | Proposed |
|  | Rs.                                      | Rs.      |
| Basic Pay  | 230                                      | 405      |
| D.A. (Khosla)  | 75                                       | —        |
| A.D.A (1974)   | 100                                      | —        |
| V.D.A. (1975)  | 95                                       | 95       |
| Sgt. Allee.  | 80                                       | 80       |
| H.R.A.   | 57.75                                    | 75.75    |
| Other Allee.   | 35                                       | 35       |
| Warning Allee.                                       | 8  | 15       |
| Productivity Allee.                                  | —  | 25       |
| C.C. 4.  | —  | 24.30    |
| Marginal Adjustment                                  | —  | 20       |
| Computer Allee.                                      | —  | 30       |
| Total Gross  | 680.75                                   | 805.05   |
| Less : PF  | 32.08                                    | 50.00    |
|  | (Actual)                                 | (Prov.)  |
| Difference (*)                                       | 648.67                                   | 755.05   |
|  | *106.38                                  | —        |
|  | 755.05                                   | 755.05   |

\*The revised 'On account' Rs. 105 p.m. based on approximately closer to the dues on proposed revision.

(B) (Provided with Corporation's accommodation).

|                          |        |        |
|--------------------------|--------|--------|
| Gross after PI as above: | 648.67 | 755.05 |
| Less : HRA               | 57.75  | 75.75  |
|                          | 590.92 | 679.30 |
| Less : GIF               | 38.50  | 30.38  |
|                          | 552.42 | 648.92 |
| Difference (*)           | *96.50 | —      |
|                          | 648.92 | 648.92 |

\*The revised 'On account's Rs. 95 p.m. based on approximately closer to the dues on proposed revision.

9. The Air-India Corporation has framed Air-India Employees' Provident Fund Regulations which came into force from 1-8-1953. They are applicable to all employees of the Corporation other than Government Servant on deputation to the Corporation. As provided by Regulation 12(1) every employee of the Corporation who is confirmed in his service shall be required to be a member of the Fund from the date on which these Regulations came into force, or on his confirmation of his service whichever is later. As defined by Clause (i) of Regulation (2) 'Fund' means

the Provident Fund established under the Regulations. Regulation 14(1) laid down that every member shall subscribe to the Fund each month at the rate of eight and a one-third percent (8-1/3 percent) of the pay earned by him for the month and the amount shall be recovered by the Corporation from the member's monthly salary. Clause (2) of Regulation 14 further lays down that the Corporation shall contribute to the fund every month an amount equal to the amount subscribed by each of the employees but in any case not exceeding 8 1/3 percent of the pay earned by the employee during that month as the employer's contribution to the Fund. Clause (1) of Regulation 15 further lays down that the total amount received or receivable as the employer's contributions and the employee's subscriptions to the fund shall be credited to respective accounts. Clause (3) of the said Regulation further provides that all interest, rent and any other income accrued or realised, as the case may be, shall be credited to an account called the 'Interest Income Account'. Clause (iii) of Regulation 16 enjoins a duty on the Board of Trustees to credit in the Fund on the 31st day of March every year, or as soon as possible, the amount of interest due to every employee member on the balance standing to his credit in the fund on 31st March of the year last preceding of the Financial Year as also 50 percent of the subscriptions and contributions credited to Member's account during the year. The Corporation, therefore, is bound to credit the subscriptions made by the member and employer's contribution equal to the amount not exceeding 8 1/3 percent of the pay earned by the employee every month and credit the amount of the interest on the amount standing to the credit of the member in the Fund on 31st March of the Year last preceding the Financial Year and also 50 percent subscriptions and contributions credited to the Member's account during the year, on 31st March every year or as soon as possible thereafter. This position is not disputed by the Management. It is, however, the case of the Corporation that no deduction was made on account of Provident Fund from the 'On Account Payment' made to the concerned workmen in pursuance to the settlement dated 17-2-1979 entered into by the Air-India Corporation and the Guild.

10. In support of the contention that deductions on account of provident fund were made from the amount of the 'On Account Payment', the Guild has produced some Pay Bills which show that the amount of the 'on account payment' made till August 1979, was reduced from September 1979 onwards. These reductions however were not shown, as deductions on account of Provident Fund in the pay bills. The Management could not explain the nature of these deductions. There is also nothing in the record of the Corporation, which was called for, to show that these deductions were made on account of Provident Fund. The Guild also could not establish that these deductions from the 'On Account Payment' made from September 1979, onward were on account of Provident Fund. The question whether these deductions were lawful is beyond the scope of this reference as well as is irrelevant so far as this reference is concerned. If, according to the Guild, these deductions were unauthorised it is free to avail of the remedy prescribed for recovering unauthorised deductions. No relief can be granted on that account in this reference in view of the limited scope of the question referred to this Tribunal.

11. Though it is not proved that some amount by way of employee's contribution to the Povident Fund was deducted from the 'On Account Payment' fixed by a formula prescribed in the above quoted example given in the statement annexed to the above quoted letter of the Deputy Director of Personnel and Industrial Relations to the Secretary of the Guild on 17-9-1979, it is clear from the example itself that while calculating the 'On Account Payment' the amount of additional Provident Fund payable in view of the proposed revision of wages in view of the settlement, was deducted. This position can be seen from the above quoted example which as mentioned above, contains the formula by applying which the 'On Account Payment' was determined.

12. The example cited above is that of a Traffic Assistant whose grade was proposed to be revised from 230-640 to 405-910. The total existing emoluments of the workman whose example is cited was Rs. 680.75 and the Provident Fund at the rate of 8-1/3% came to Rs. 32.08. That was the actual contribution made by the said workman. It will

be seen from the last column that as per the proposed revision the total gross wages payable to the employee came to Rs. 850.05 on which the compulsory subscription of the employee to the provident fund came to Rs. 50. The actual amount which would have been payable to the employee as per the revised grade after deduction of the compulsory Provident Fund subscription came to Rs. 755.05 as against 648.67. It is pertinent to note that the 'On Account Payment' was calculated as the difference between the amount that would have been payable to the employee as per revised wage scale after deduction of Provident Fund Subscription and the net amount paid to the workman after deducting provident Fund as per the existing scale. The 'On Account Payment' was not calculated as the difference between the gross amount payable as per the revised grade and the amount paid as per the existing grade. It is thus clear that while determining the 'On Account Payment' deduction on account of Provident Fund was taken into consideration. This deduction is styled by the management as provisional deduction. Nonetheless it is a deduction because if this deduction would not have been made the actual 'On Account Payment' would have been higher. In the case of the example cited, it would have been Rs. 119.30 as against Rs. 105.00. This additional amount was withheld by the management as provisional adjustment towards Provident Fund. Hence the Management will be deemed to have deducted that much amount towards Provident Fund subscription of the workman.

13. It is an admitted position that these amounts were deposited alongwith the employer's contribution in the accounts of the respective employees after the National Industrial Tribunal passed the Award on 21-4-1983 in terms of the settlement dated 2-2-1979 between Air Corporation Employees' Union (ACEU) and the Management. The management might have been justified in withholding these amounts till the Award was passed. But while crediting the amounts in respective accounts of the employees the management should also have credited the interest on the amounts withheld by the management on account of Provident Fund from the 'On Account Payment' from 1-4-1978 to 31-3-1983 as required by clause (3) of Regulation 16 at the rate determined and notified as per clause (1) of the said Regulation. Hence though the action of the Corporation in making deductions on account of Provident Fund from the additional amount payable as per the revised grades and withholding the amount till the National Industrial Tribunal gave its Award was justified there was no justification for not crediting the interest on these amounts. The fact that the amount was not actually credited in the respective Provident Fund account does not mean that the workman was not entitled to interest on the amount which the management deducted towards his contribution to the Provident Fund on the additional wages which were payable to the workman in view of the settlement.

14. The Management of the Corporation is therefore directed to credit in the accounts of the concerned workmen interest on the amounts retained by the Corporation while fixing the 'On Account Payment' as Provident Fund contributions of the concerned employees on the additional amounts payable to the workmen as per the revised grades of pay for the period from 1-4-1978 to 31-3-1983 alongwith interest on the said amount of interest till this date at the rate or rates determined and notified as per clause (1) of Regulation 16 of the Air-India Employees Provident Fund Regulations.

Award accordingly.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11011]3|85-D.II(B)|D.III(B)]

नई दिल्ली, 24 जनवरी 1989

का. आ. 322—सौदोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइंस, बम्बई के प्रबंधन से ममता तियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अन्वेषण में निर्विचल शौदोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार शौदोगिक अधिकार, नं. 1, बम्बई के प्रबंधन को प्रकाशित करनी है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।  
214 GI/89—6.

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 322.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. I Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bom. bay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-1-89.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I AT BOMBAY

Reference No. CGIT-51 of 1987

#### PARTIES :

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay,

AND

Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen—Mr. Gudkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 15th day of December, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri M. R. Kumar, working as a Loader under Regulation No. 12 with effect from 19-6-1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement which are as follows :—

1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 17035 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached, by and between the parties, the parties surmised that

the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/8/86-D. II(B)/III(B)]

का. आ. 323.—श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हड्डियन एवं लाइन, बम्बई, के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक प्रधिकरण, नं. 1 बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 323.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY.

PRESENT :

Reference No. CGTI-50 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Mr. M. M. Verma, Advocate.  
For the Workmen : Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 15th day of December, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri Shyam Bahadur working as an Operator under Regulation No 12 with effect from 22-6-1984 is justified ? If not, to what relief the workmen is entitled to?"

2. The workman was retired from the service " the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union who espoused the cause of the concerned workmen, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the

allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the Action of retirement of the workman was within the competence of Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

1. It is agreed the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 4445/- as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/6/86-D. II(B)/D. III(B)]

का. आ. 324.—श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार हड्डियन एवं लाइन, बम्बई के प्रबन्धतंत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक प्रधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 324.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-52 of 1987

PRESENT :

Mr. Justice M. S. Jamdar, Presiding Officer.

PARTIES :

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay,

AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the Management : Mr. M. M. Verma, Advocate.  
For the Workmen : Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra  
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of

section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri P. D. Palekar working as operator under Regulation No. 12 with effect from 21st June, 1984 is justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

"1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 19815 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.

2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.

3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement.

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/21/86-D.II(B)/D.III(B)]

का. आ. 325.—श्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धसंचय से भम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुंद भूमि में निर्दिष्ट श्रीबोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीबोगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 325.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th January, 1989.

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO I AT BOMBAY

Reference No. CGIT-49 of 1987

#### PARTIES :

Employer in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

Their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen—Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines

STATE : Maharashtra

Bombay, dated the 15th day of December, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:—

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri H. L. Gaur, working as a Helper under Regulation No. 12 with effect from 21-6-1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

2. The workman was retired from the service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporations Employees' Union, who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after overall assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :—

"1. It is agreed that the Employer viz. Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 25,085 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above reference.

2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.

3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties, the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I, therefore, pass an award in terms of the abovementioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/7/86-D.II(B)/D.III(B)]

का. आ. 326.—श्रीबोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय सरकार इंडियन एयर लाइन्स, बम्बई के प्रबन्धसंचय से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुंद भूमि में निर्दिष्ट श्रीबोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीबोगिक अधिकरण, नं. 1, बम्बई के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 326.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Bombay as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-1-89.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 AT BOMBAY

Reference No. CGIT-53 of 1987

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Indian Airlines, Bombay.

AND

their workmen.

#### APPEARANCES :

For the Management—Mr. M. M. Verma, Advocate.

For the Workmen—Mr. Gadkari, Advocate.

INDUSTRY : Airlines STATE : Maharashtra  
Bombay, dated the 15th day of December, 1988

#### AWARD

The Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

"Whether the action of the management of Indian Airlines, Bombay in retiring Shri Mohd. Wahid working as a Loader, from Regulation No. 12 with effect from 21-6-1984 is justified? If not to what relief the workman is entitled to?"

2. The workman was retired from service of the Corporation after attaining the age of 55 years, but before attaining the age of 58 years by giving three months notice under Regulation (12) of the Corporation. According to the Air Corporation Employees' Union who espoused the cause of the concerned workman, the workman was entitled to be continued in the service till his attaining the age of 60 years and the action of the management in prematurely terminating his service was illegal, unjustified amounted to unfair labour practice and was taken as a retaliatory measure against the Union. The Management raised some preliminary objections about the validity of the reference and jurisdiction of this Tribunal and denied all the allegations on which the action was sought to be challenged. The management maintained that the action of retirement of the workman was within the competence of the Corporation and was taken after over all assessment of the performance of the workman.

3. At the hearing of the reference, the parties filed a memo of settlement and requested the Tribunal to pass an Award in terms of the settlement, which are as follows :

1. It is agreed that the Employer which Indian Airlines, shall pay a sum of Rs. 4490 as Ex-gratia payment to the workman in full and final settlement of all claims made by the workman in the pending adjudication before this Hon'ble Tribunal in the above Reference.
2. The said payment shall be made within four weeks from the date of this settlement.
3. In view of the aforesaid settlement reached by and between the parties submit that the Hon'ble Tribunal be pleased to pass an award in terms of the settlement."

I am satisfied that the settlement is fair and proper and is in the best interest of the workman and harmonious industrial relations between the Corporation and its workmen. I,

therefore, pass an award in terms of the above mentioned settlement.

M. S. JAMDAR, Presiding Officer  
[No. L-11012/5/86-D.II(B)/III(B)]  
V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1989

का. आ. 327.—श्रीधोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल मिल्कवार्म सीड प्रोजेक्ट, बंगलौर के प्रबन्धतात्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, प्रतुवंश में विनिदिप्त श्रीधोगिक विवाद में श्रीधोगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd January, 1989

S.O. 327.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th January, 1989.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

Thursday, the 24th day of November, 1988

Industrial Dispute No. 22 of 1988

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workmen and the management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and another).

#### BETWEEN

Thirumathi G. Savithri,

No. 398, Edicar Naicar Line,  
Lawley Road, Subramaniapuram Post,  
Coimbatore-641040.

AND

1. The Director,  
National Silkworm Seed Project,  
Central Silk Board,  
'Mysugar' Commercial Complex, II Floor,  
J. C. Road, Bangalore-641045.
2. The Senior Research Officer,  
Silkworm Seed Production Centre,  
'8/213, Trichy Road, Coimbatore-641045.

#### REFERENCE :

Order No. L-42012/111/86-D II(B) dated 24-3-1988  
of the Ministry of Labour, Government of India,  
New Delhi.

This dispute coming on this day of final disposal in the presence of Thiru S. Seshadri, Central Government Pleader, appearing for the Management 1 and 2 upon perusing the reference and other connected papers on record and the workman being absent this Tribunal passed the following.

#### AWARD

This dispute between the workman and the Management of National Silkworm Seed Project, Bangalore and another arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-42012/111/86-D. II(B), dated 24-3-1988 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

Whether the action of the Management of National Silkworm Seed Project, Bangalore in relation to their Silkworm Seed Production Centre, Coimbatore in terminating the services of Smt. G. Savithri, workman with effect from 15-9-1984 is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?

Parties were served with summons.

Both the Managements were represented by Central Government pleader. Petitioner was absent and no representation made on her behalf. Inspite of several chances given to the petitioner she was absent and not represented.

Today also when the dispute was called, Petitioner was absent and no representation was made. No claim statement has been filed.

Hence Industrial Dispute is dismissed for default.

Dated, this 24th day of November, 1988.

K. NATARAJAN, Industrial Tribunal  
[No. L-42012/111/86-D.II(B)]  
HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1989

का. आ. 323.—शैदीयिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसरें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड का तेत्तुरिया कोलियरी के प्रबन्धतान से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निकष्ट शैदीयिक विवाद में केन्द्रीय सरकार शैदीयिक अधिकरण (स. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 10-1-89 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 24th January, 1989

S.O. 328.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 10th January, 1989

#### ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 207 of 1987

In the matter of an industrial dispute under section 10 (1)(d) of the I. D. Act, 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen : Shri Arjun Singh, Secretary, Koyala Ispat Mazdoor Panchayat.

On behalf of the employers : Shri S. P. Singh, Personnel Manager.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 4th January 1989

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under section 10(1)(d)

of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012-(53)87-D.III(A), dated the 8th July, 1987.

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited in refusing to give employment to Shri Kuldip Bhuiya, the dependant son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuiya, Wagon Loader as per Clause 9.4.2 of the National Coal Wage Agreement III is justified? If not, to what relief the dependant son-in-law is entitled?”

In the case only the union has filed his W.S. Thereafter several adjournments were granted to the employers for filing their written statement. But subsequently instead of filing the W.S. by the employers, both the parties appeared before me and filed a petition of compromise. I heard the parties on the said petition of compromise and I do find that the terms contained therein are fair, proper and beneficial to both the parties. Accordingly, I accept the same and pass an Award in terms of the petition of compromise which forms part of the Award as Annexure.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012/53/87-D.III(A)/IR(Coal)]

#### ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 2, AT DHANBAD

Reference No. 207/87

Employers in relation to the Management of M/s. Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited,

#### AND

Their Workmen

#### Petition of Compromise

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the Central Government by Notification No. L-20012(53)87-D.III(A) dated 8th July, 1987 has been pleased to refer the present dispute on the following issue :—

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Tetturiya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited in refusing to give employment to Shri Kuldip Bhuiya, son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuiya, Wagon Loader as per Clause 9.4.2 of the National Coal Wage Agreement III is justified? If not, to what relief the dependant son-in-law is entitled?”

2. That the parties have amicably settled the dispute on the following terms :—

#### Terms of Settlement

- (a) That, it is agreed that Shri Kuldip Bhuiya, son-in-law of the deceased workman, late Smt. Patrazia Bhuiya shall be offered employment as Badli Miner Loader subject to production of valid document to establish that he is only the person to get the employment under para 9.4.2 of NCWA-III.
- (b) That in support of proof of genuinity, Shri Kuldip Bhuiyan will produce photograph duly attested by the Mukhiya of the village to which he belongs together the certificate as regards to correctness of his identity. The certificate and the photographs should also bear the certificate of the BDO of the Block within which the village situated. He will submit an affidavit regarding his genuinity of identity.
- (c) That Shri Kuldip Bhuiya will be examined by Medical Board for determination of his suitability for

the job of Miners/Loaders as well as for assessment of his age. In case he will be medically unfit or above the age of 30 years, he will not be taken in the employment.

(d) That the management will have right to terminate his service in case any of his declaration will be found to be wrong or he is not genuine dependant son of late Patrazi Bhuni.

3. That in view of the above settlement nothing remains to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon'ble Tribunal will be graciously pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the Award in terms of the settlement.

For the Employer

Sd/- Illegible

General Manager

Govindpur Area

Sd./-

(S. P. Singh)

Personnel Manager

Witnesses :—

1. Sd/- Illegible.

2. Sd/- Illegible.

3.

For the Workman

Sd./-  
(ARJUN SINGH)

Secretary

Koyal Ispat Mazdoor Panchayat

का. ना. 329 —श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की भाग 17 के अनुसारण में केन्द्रीय सरकार, मैसरे भारत कोइंग कोन नि. का वस्त्रिय कालिपनी के प्रबन्धताल से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विघ्न श्रीधोगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीधोगिक अधिकारण (सं. 1), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-1-89 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 329.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Bassuriya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th January, 1989.

#### ANNEXURE

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 58 of 1988

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Bassuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

#### APPEARANCES :

- For the Employers : Shri R. S. Murty, Advocate.
- For the Workmen : Shri D. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 27th December, 1988

#### AWARD

By Order No. L-20012(107)/83-D.(I)(A), dated, the 10th August, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the Powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to the Tribunal:

"Whether the action of the management of Bassuriya Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. in not placing Shri Bindeswari Singh, Dozer Operator in Excavation Group B is justified? If not, to what relief is the said workman entitled and from what date?"

2. The case of the management of Bassuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. as appearing from the written statement, benefit of details is as follows:

The present reference is not maintainable since there exists no industrial dispute in the eye of law inasmuch as no demand was made nor was any dispute was raised with the management by the workman concerned or his union. The substantive case of the management is that Bindeswari Singh, the concerned workman was previously a Loco Driver. The post held by him then was entirely different from that of a Dozer Operator. The training, skill, proficiency, etc. required to be possessed by a Dozer Operator are entirely different from that of a Loco Driver. Since the concerned workman evinced interest in the post of Dozer Operator, the management decided to give him the opportunity of acquiring experience in that post by necessary training etc. He had no experience or training whatsoever earlier in regard the job of Dozer Operator. The management, therefore, placed him in Excavation Grade with effect from 1-8-1982 so that he may have the opportunity of receiving training and acquiring experience. After he received training and acquired some experience, he was placed in Excavation Grade 'C' with effect from 1-8-1982. The qualifications required to be possessed by Dozer Operator Grade 'C' as per decision of the Joint Bi-partite Committee for the Coal Industry as reflected in the Implementation Instruction No. 36 of 2-2-1981 are as follows:

"Tractor/Dozer Operator Gr. II (Group C).—A skilled workman possessing not less than 3 years experience in the operation and handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP. He should have general knowledge of the mechanism of the tractors and undertake minor running repairs. He should hold valid driving licence for tractor driving."

Even when the concerned workman was placed in Group-C he did not possess the required qualifications as aforesaid and still the management took a generous view and placed him in Group-C/Grade-C. The aforesaid Joint Bipartite Committee for the Coal Industry is a collective bargaining forum at the National and Industry level for coal industry. The National Coal Wage Agreements are settlement within the meaning of Section 2(p) of the Industrial Disputes Act. As per decision of J.B.C.C.I. under the aforesaid Implementation Instruction, Dozer Operators Grade-I have been placed in Group-B (Grade-B) and the qualifications, experience, etc. prescribed for them are as follows:

"Tractor/Dozer Operator Grade. I.—A skilled workman possession not less than 5 years experience in the operation and handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP. He should have general knowledge of the mechanism of the tractor and undertake minor running repairs. He should hold valid licence for tractor driving."

The concerned workman does not possess and fulfil the above qualifications, etc. and he is not, therefore, entitled to be placed in Group-C (Grade-C). The demand for placing him to Group-I is not justified and under no circumstances he can claim to be placed in Group-B (Grade-B). The management has submitted that the demand of the workman concerned/sponsoring union is a demand for promotion of the workman concerned from Group-C/Grade-C to next hig-

her Group/Grade-B which is totally unwarranted and unjustified. Promotion is a sole function of the management and the workman concerned cannot claim it as of right. In the circumstances the management has prayed that its action be held to be justified.

3. The case of the sponsoring union as appearing from the written statement, details apart, is as follows :

The concerned workman is a permanent employee of the management and till February, 1979 he was a Loco Driver in Bassuriya Colliery. During February, 1979 the management decided to train some competent workmen to operate Bulldozers and other machines to be engaged in the open cast mines and projects and in course of that programme inducted him also in such training. The Deputy Personnel Manager, Kusunda Area, under which the colliery in question was administered, by his letter dated 17th/19th February, 1979 wrote to the Project Manager, Dhansar/Kusunda Open Cast Project to train persons including the concerned workman in operating Bulldozer for their employment in similar positions after training. The concerned workman undertook training and after successful completion of training was posted in the capacity of Bulldozer Operator in different places of the management. After being engaged as a Bulldozer Operator, the management issued Office Order fixing the scale of basic pay for such trained workmen in different places and in that process the concerned workman was placed in Excavation Grade 'D' whereas several others were placed in Excavation Grade 'C' and quite a few in Excavation Grade-B also. The concerned workman represented before his superior officers about the arbitrary method of his placement in Excavation Grade-D and also about making discrimination between workmen and workmen. The management assured him that fixation of his scale of pay was temporary and it would be rectified shortly. Thereafter the management issued an Office Order dated 10th December, 1982 under the signature of the Agent, Bassuriya Colliery re-fixing pay scale in respect of 16 workmen of different category and there the pay scale of the concerned workman was re-fixed in Excavation Grade 'C' from Grade 'D' whereas several other Operators who had been trained along with him were placed in Excavation Grade 'B' and thus once again severe discrimination was done to him and even person junior to him in service was placed in Excavation Grade B. He objected to the authorities complaining about such discrimination. The management assured him of justice but did nothing. When no action was taken by the management to redress his grievance he reported the matter to the trade union, namely, Rashtriya Mazdoor Sangh, who took up the matter on his behalf and raised an industrial dispute before the A.L.C.C., Dhanbad. The A.L.C.C., Dhanbad tried to resolve the dispute by conciliation, but that ended in a failure due to non-cooperative attitude of the management. The management has re-categorised 49 workmen of various trade/group by an Office Order dated 6th January, 1987 in which several workmen junior to the concerned workman had been upgraded to Excavation Grade 'B'. But his case has been left out on the plea that the matter will be decided by the Tribunal. In the circumstances, the sponsoring union has submitted that the concerned workman be placed in Excavation Grade 'B' with effect from 1st August, 1982 when recategorisation was done by the management by Office Order dated 10th December, 1982.

4. In its rejoinder to the written statement of the management the sponsoring union has stated that the management illegally and arbitrarily placed the concerned workman in Excavation Grade 'D' with effect from 1981 in violation of Wage Board Recommendations. Wage Board Recommendation has got statutory force and as per Wage Board Recommendation minimum starting category of Dozer Operator is Excavation Grade 'B'. The union has further submitted that Chedi Lohar who was junior to the concerned workman was regularised and placed in Excavation Grade-B as Dozer Operator from the date of completion of his training period. Basdeo Rabidas another Dozer Operator has also been placed in Excavation Grade-B in similar circumstances. The demand for the concerned workman for being placed in Excavation Grade-B is based on the ground that junior workmen, such as, Chedi Lohar etc. had been given Excavation Grade-B and that equal pay for equal work should be ensured by the management.

5. The management has not filed any rejoinder to the written statement of the concerned workman.

6. The management has examined only one witness, namely, MW-1 Onkar Singh who is now posted as Executive Engineering, East Basuria Colliery and laid in evidence only one item of document which has been marked Ext. W-1. On the other hand, the sponsoring union has examined the concerned workman as WW-1 and laid in evidence a sheaf of documents which has been marked Exts. W-1 to W-8.

7. Admittedly, Bindeswari Singh, the concerned workman was previously working as Loco Driver of Basuria Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. It is also an undeniable fact that he was sent to undergo training as a Dozer Operator. The written statement of the union discloses that the Deputy Personnel Manager, Kusunda Area, under which Basuria colliery was administered, by his letter dated 17/19-2-79 wrote to the Project Manager, Dhansar Open Cast Project, to train persons including the concerned workman in operating Bull Dozer for their employment in similar position after training. The letter of the Dy. Personnel Manager of Kusunda Area dated 17/19-2-79 which has been produced by the union establishes this position (Ext. W-7). Thus, it is seen that the concerned workman was sent by the management to undergo training as Dozer Operator in or about February, 1979. The letter of the Manager, Bassuriya Colliery dated 30-9-1980 (Ext. W-3) is indicative of the fact that the concerned workman was working as Dozer Operator in Bassuriya colliery. By this letter a word of caution was issued to the concerned workman, Chedi Lohar and two others with regard to their performance of duties. However, the fact is that on 30-9-80 the concerned workman was working as Dozer Operator. It is the case of the union that after completion of training for one year as Dozer Operator the concerned workman was placed in Excavation Grade-D. This has not been disputed by the management. This the position is reached that upon completion of training as Dozer Operator the concerned workman was placed in Excavation Grade-D.

8. Sri D. Mukherjee, Advocate, for the union as contended that as per Central Wage Board Recommendations the concerned workman was entitled to be placed in Excavation Grade-B upon completion of training. But the Central Wage Board Recommendations for placement of Dozer Operator of Excavation Section in Grade-B relates to National Coal Development Corporation. Admittedly, Basuriya Colliery was never a part and parcel of National Coal Development Corporation. That being so, the contention of Sri D. Mukherjee that the concerned workman was entitled to be placed in Excavation Grade-B upon completion of his training as Dozer Operator is not sustainable.

9. It appears that by Office Order dated 10-12-82 (Ext. W-5) the concerned workman was placed in Excavation Grade-C from Excavation Grade-B. Shri R. S. Murty, Advocate, for the management has contended that although under Implementation Instruction No. 36 dated 2-2-81 of J.B.C.C.I. the concerned workman was not entitled to be placed in Excavation Grade-C, the management by its generosity granted that benefit to him. Whatever may be the position, the fact is that the concerned workman was placed in Excavation Grade-C with effect from 1-8-1982 by Office Order dated 10-12-82 (Ext. W-5).

10. It is the case of the sponsoring union that the management, in placing the concerned workman initially in Excavation Grade-D and later in Excavation Grade-C, has made a discrimination between workman and workman because Chedi Lohar and Basdeo Rabidas, although junior to him, were placed straightway in Excavation Grade-B upon completion of their training. It appears that in terms of letter dated 3-4-79 Chedi Lohar, a Blacksmith and three others were sent to undergo training as Dozer Operator (Ext. W-1). By Office Order dated 17-2-81 Chedi Lohar was placed in Excavation Grade-B upon completion of training. It also appears that Basdeo Rabidas was appointed by letter dated 28-4-79/1-5-79 as temporary Dozer Operator in Grade-B. There is no dispute that he was recruited directly from open market. Later the position seems to have been revised and he was placed in Excavation Grade-C and was promoted to Excavation Grade-B by Office Order dated 6-1-87 (Ext. W-6). Sri R. S. Murty has submitted that Basdeo Rabidas was

placed in Excavation Grade-D, but there is no supportive evidence to bolster up this contention. Anyway, the fact remains that Chedi Lohar, a Blacksmith, was placed straightway in Excavation Grade-B after completion of training as Dozer Operator and Basdeo was placed in Excavation Grade-C after completion of training as Dozer Operator.

11. Sri R. S. Murty has submitted that as a result of test after training Chedi Lohar was placed in Excavation Grade-B and the concerned workman in Excavation Grade-D. But there is neither any pleading nor any evidence on this point. Sri Murty has further contended that Basdeo Rabidas underwent training as Dozer Operator before his appointment in the post of Dozer Operator. Unfortunately, on this score also there is no pleading nor any evidence. Sri Murty has submitted also that Chedi Lohar and Basdeo Rabidas were working on bigger capacity dozer than the dozer operated by the concerned workman. This contention is also unsubstantial because MW-1 Onkar Singh, now posted as Executive Engineer, Eas Basuriya Colliery, has stated that Chedi Lohar, Basadeo Rabidas and the concerned workman were operating the same dozer in Basuriya colliery. Sri Murty has finally submitted that Chedi Lohar is more competent to maintain dozer than the concerned workman. There exists no pleading and the documentary evidence on this point. Even so, this does not explain as to why Basdeo Rabidas was placed in Excavation Grade-C while the concerned workman was placed in Excavation Grade-C while the concerned workman was placed in Excavation Grade-D.

12. It is evident from my discussion above that the management has not followed a systematic and rational policy with regard to placement of dozer operator in different grades after training. This really reflects upon the wisdom and performance of the management.

13. The guideline of J.B.C.C.I. envisages that a skilled workman possessing not less than five years experience as Dozer Operator and capable of handling of crawler or wheel type dozers of not less than 150 HP and having knowledge of the mechanism of tractor and capable to undertake minor running repairs, is entitled to be placed in Excavation Grade-B. Even applying these guidelines the concerned workman is entitled to be placed in Excavation Grade-D wayback in September, 1985 when, as the evidence reveals, he worked as Dozer Operator for five years after training.

14. In view of my discussion come to the inescapable conclusion that the action of the management of Bassuriya Colliery in not placing the concerned workman in Excavation Grade-B is not justified.

15. Accordingly, the following award is rendered—

the action of the management of Basuriya Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. in not placing Shri Bindeshwari Singh, Dozer Operator in Excavation Group-B (Grade-B) is not justified. The management is directed to consider his case for placement in Excavation Grade-B with effect from September, 1985.

In the circumstances of the case, I award no cost.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No L-20012/107/83-D.III(A)/IR(Coal-I)]  
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer